संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -160 शुक्रवार , 12 अप्रैल 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

संक्षिप्त खबर

मुर्शिदाबाद में दीवार लेखन को लेकर जमकर बवाल

मुर्शिदाबाद 11 अप्रैल 2024, (ए)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के रेजीनगर इलाक़े में चुनाव प्रचार के लिए दीवार लेखन को लेकर जमकर बवाल मचा। इस दौरान दो पक्षों ने बम भी फेंके। इस घटना में एक बच्चा समेत कुल पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना के बाद से इलाक़े में तनाव का माहौल है। आरोप है कि टीएमसी के दो गुटों के बीच ही दीवार पहले लिखने को लेकर विवाद हुआ, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया और जमकर बमबाजी हुई।

नेशनल हेराल्ड केस में कांग्रेस को लगा बड़ा झटका

ईडी की कुर्की को कोर्ट ने सही ठहराया

नई दिल्ली,11 अप्रैल 2024, (ए)।नेशनल हेराल्ड केस में कांग्रेस को बड़ा झडका लगा है। मनी लांड्रिंग मामले में पीएमएलए अदालत ने व्यापक सुनवाई के बाद नेशलन हेराल्ड अखबार को संचालित करने वाली कंपनी एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड और यंग इंडिया के खिलाफ ईडी की कार्रवाई को सही ठहराया है।

दिल्ली आबकारी घोटाले में के. कविता गिरफ्तार

नई दिल्ली,11अप्रैल 2024, (ए)। दिल्ली शराब कांड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में में सीबीआई ने के कविता को गिरफ्तार किया है। वह ईडी के मामले में अभी न्यायिक हिरासत में हैं। के कविता तेलंगाना के पूर्व सीएम केसीआर की बेटी है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक सीबीआई ने आज (गुरुवार) भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के कविता को गिरफ्तार किया है।

एसबीआई ने नहीं दी इलेक्टोरल बॉन्ड की जानकारी

सर्वोच्च न्यायालय ने चुनावी बॉन्ड योजना को असंवैधानिक और मनमाना करार देते हुए रद्द कर दिया था...

नई दिल्ली,11अप्रैल 2024 (ए)। नेशनल भारतीय स्टेट बैंक ने सूचना का अधिकार के तहत इलेक्शन कमीशन को दिए इलेक्टोरेल बॉन्ड के विवरण की जानकारी देने से मना कर दिया। हालांकि रिकॉर्ड आयोग की वेबसाइट पर सार्वजनिक है। एसबीआई ने कहा कि यह संभालकर रखी गई निजी जानकारी है।

सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को दिया था निर्देश

सर्वोच्च न्यायालय ने चुनावी बॉन्ड योजना को असंवैधानिक और मनमाना करार देते हुए रद्द कर दिया था। 15 फरवरी को स्टेट बैंक को निर्देश दिया था कि वह इलेक्टोरेल बॉन्ड का पूरा विवरण निर्वाचन आयोग को सौंपे। अदालत ने आयोग को संबंधित विवरण 13 मार्च 2024 तक अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित करने का निर्देश दिया था। निर्वाचन आयोग ने 14 मार्च को अपनी वेबसाइट पर एसबीआई द्वारा प्रस्तुत डाटा पब्लिश किया था। जिसमें बॉन्ड खरीदने वाले दानदाताओं और राजनीतिक पार्टियों की जानकारी थी।

आरटीआई कार्यकर्ता ने मांगी जानकारी

आरटीआई कार्यकर्ता लोकेश बन्ना ने 13 मार्च को स्टेट बैंक से डिजिटल फॉर्म में इलेक्टोरल बॉन्ड का डाटा मांगा था, जो उन्हें चुनाव आयोग को उपलब्ध कराया था। केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी और एसबीआई के उप महाप्रबंधक द्वारा दिए गए जवाब में कहा गया कि आपके द्वारा खरीदारों और दलों से जुड़ी जानकारी मांगी गई है। जिससे जिम्मेदारी के तहत सार्वजनिक नहीं किया जा सकता है।

वकील हरीश साल्वे की फीस का ब्योरा भी मांगा

लोकेश बन्ना ने एसबीआई की ओर से पेश हुए वकील हरीश साल्वे को दी गई फीस का भी ब्योरा मांगा था। हालांकि यह कहते हुए जानकारी देने से मना कर दिया गया कि जानकारी व्यक्तिगत है। आरटीआई कार्यकर्ता ने कहा, स्टेट बैंक ने उस जानकारी को उपलब्ध कराने से इनकार कर दिया, जो चुनाव आयोग की वेबसाइट पर मौजूद है। वकील साल्वे की फीस के सवाल पर बन्ना ने कहा कि एसीआई ने उस जानकारी को देने से भी मना कर दिया। जिसमें टैक्सपेयर्स का पैसा शामिल है।

भारत को अब रोका नहीं जा सकता

पीएम मोदी की चीन और पाकिस्तान को दो टूक

नई दिल्ली,11अप्रैल 2024, (ए)। सीमा विवाद और अरुणाचल प्रदेश को लेकर भारत और चीन के बीच एक बार फिर विवाद बढ़ता जा रहा है। भारत की कोशिश है कि चीन के साथ सभी मुद्दों को बातचीत के जरिए हल किया जाए। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत और चीन के बीच स्थिर और शांतिपूर्ण संबंध पूरे क्षेत्र और विश्व के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राजनयिक और सैन्य स्तरों पर द्विपक्षीय बातचीत के माध्यम से दोनों देश अपनी सीमाओं पर शांति और स्थिरता बहाल करने में सक्षम होंगे।

प्रधानमंत्री ने यह टिप्पणी एक इंटरव्यू में की। यह हाल के दिनों में किसी अमेरिकी पत्रिका को दिया गया पीएम मोदी का पहला साक्षात्कार है। वहीं, कहा है कि भारत की प्रगति को अब रोका नहीं जा सकता है। तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और मजबूत होती राजनयिक, वैज्ञानिक तथा सैन्य ताकत इसे एक उभरती हुई महाशक्ति बनाती है।

अमेरिका और विश्व के लिए इसका महत्व लगातार बढ़ रहा है। मोदी का साक्षात्कार प्रकाशित करने के साथ ही पत्रिका ने उनको अपने कवर पर भी स्थान दिया है। इंदिरा गांधी के बाद वह ऐसे दूसरे भारतीय प्रधानमंत्री हैं, जिन्हें इस वैश्विक समाचार पत्रिका ने यह सम्मान दिया है।

पीएम मोदी ने आगामी लोकसभा चुनाव, पाकिस्तान के साथ संबंध, क्वाड, राम मंदिर और लोकतंत्र समेत तमाम मुद्दों पर बातचीत की है। इस दौरान पीएम ने कहा कि भारत के लिए चीन के साथ संबंध महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, हमें अपनी सीमाओं पर लंबे समय से चली आ रही स्थिति का तत्काल समाधान निकालने की आवश्यकता है। भारत और चीन के बीच स्थिर और शांतिपूर्ण संबंध न केवल दोनों देशों के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र और विश्व के लिए महत्वपूर्ण हैं।

पाकिस्तान के साथ संबंधों के बारे में पूछे जाने पर मोदी ने कहा कि उन्होंने वहां के प्रधानमंत्री को पदभार संभालने पर बधाई दी है। उनसे कहा है कि भारत ने हमेशा आतंक और हिंसा से मुक्त माहौल में शांति, सुरक्षा और समृद्धि को आगे बढ़ाने का समर्थन किया है। चीन और क्वाड के बारे में बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, भारत और चीन कई समूहों के सदस्य हैं। उन्होंने कहा,÷हम अलग-अलग समूहों में मौजूद हैं।

बंगाल में एनआरसी और सीएए नहीं लागू होने दूंगी

कोलकाता में गरजीं ममता बनर्जी

कोलकाता,11 अप्रैल 2024, (ए)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने एक बार फिर राज्य में यूनिफॉर्म सिविल कोड, एनआरसी और सीएए लागू नहीं होने देने की बात कही है। कोलकाता की रेड रोड में आयोजित ईद की नमाज में आज (11 अप्रैल) उन्होंने हिस्सा लिया। ईद की नमाज को संबोधित करते हुए कहा कि वह राज्य में सीएए, एनआरसी और यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू नहीं होने देंगे।

उन्होंने आगे कहा,हम रॉयल बंगाल टाइगर की तरह हैं। मैं देश के लिए अपना खून देने को तैयार हूं। चुनाव के दौरान आप मुस्लिम नेताओं को फोन करते हैं और कहते हैं कि आप क्या चाहते हैं। मैं कहती हूं कि उन्हें कुछ नहीं चाहिए, उन्हें प्यार चाहिए। हम यूसीसी स्वीकार नहीं करेंगे। आप मुझे जेल में डाल सकते हैं।

लेकिन मेरा मानना है कि मुद्दे लाख बुरा चाहे तो क्या होता है। वही होता है जो मंजूरे खुदा होता है।'

सीएम ममता ने कहा, ईद मुबारक...यह खुशियों की ईद है। यह ताकत देने की ईद है। इस ईद को एक महीने तक उपवास करके मनाना बहुत बड़ी बात है। हम इसके लिए खून बहाने के लिए तैयार हैं, लेकिन देश के लिए अत्याचार बर्दाश्त नहीं करेंगे। मुझे सर्वधर्म समभाव चाहिए, नो एनआरसी, नो सीएए।

अता हुई ईद की नमाज

» लोगों ने दी एक-दूसरे को बधाई

» राष्ट्रपति ने दी मुबारकबाद

नईदिल्ली,11अप्रैल 2024, (ए)। देशभर में गुरुवार को ईद की नमाज अता की गई। लोगों ने एक दूसरे से गले मिलकर बधाई दी। राजधानी दिल्ली सहित देश भर में गुरुवार को ईद मनाई गई। मुस्लिम समुदाय के लोग मस्जिदों में नमाज के लिए जमा हुए।

दिल्ली की जामा मस्जिद में नमाज अदा करने के लिए बड़ी संख्या में नमाजी जमा हुए। भारत के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू समेत अन्य नेताओं ने भी सभी देशवासियों को ईद की मुबारकबाद दी है। एक माह तक चले पवित्र रमजान के बाद बुधवार शाम आखिर ईद के चांद का दीदार हो गया। इसलिए देश के अधिकांश हिस्सों में गुरुवार को ईद मनाई गई। दिल्ली की जामा मस्जिद और फतेहपुरी मस्जिद में भी नमाज अता की गई। ईद के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने संदेश में कहा, मैं सभी देशवासियों, विशेष रूप से मुस्लिम भाइयों और बहनों को ईद-उल-फितर की मुबारकबाद देती हूं। रमजान के पावन महीने के बाद मनाये जाने वाले इस पर्व से एकता, सद्भाव और भाईचारे की भावना का संचार होता है। खुशियां बांटने का यह त्योहार क्षमा और दान करने की प्रेरणा देता है। मैं इस पवित्र अवसर पर कामना करती हूं कि हमारा देश निरंतर प्रगति के मार्ग पर बढ़े और सब देशवासी सदा अमन-चैन से रहें। सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने भी सभी को ईद-उल-फितर की मुबारकबाद दी। पूर्व केंद्रीय मंत्री गुलाम नबी आजाद भी इस अवसर पर दिल्ली में मौजूद रहे। नमाज के बाद उन्होंने कहा कि ईद के दिन भारत में लोग खुशियां मनाएं, देश में एकता व खुशहाली हो, हम यही दुआ करते हैं। भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने ईद-उल-फितर पर दिल्ली के संसद मार्ग स्थित मस्जिद में नमाज़ अदा की। नमाज के बाद उन्होंने कहा कि वो सभी को ईद की मुबारकबाद देते हैं।

लॉरेंस बिश्नोई सिंडिकेट का शार्प शूटर दिल्ली में गिरफ्तार

नई दिल्ली,11अप्रैल 2024, (ए)। जबरन वसूली में शामिल कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई सिंडिकेट के एक शार्प शूटर को दिल्ली में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने ये जानकारी दी।

आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले के मूल निवासी सतेंद्र कुमार उर्फ सिकंदर (20) के रूप में हुई है।

अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव विभव कुमार नौकरी से बर्खास्त

3 दिन पहले ईडी ने की थी पूछताछ

नई दिल्ली,11अप्रैल 2024, (ए)। सतर्कता निदेशालय ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव बिभव कुमार की सेवाएं समाप्त कर दीं। विशेष सचिव सतर्कता वाईवीवीजे राजशेखर ने कुमार के खिलाफ लंबित 2007 के एक मामले का हवाला देते हुए आदेश पारित किया। बिभव कुमार को उनके पद से तब हटाया गया, जब प्रवर्तन निदेशालय ने 8 अप्रैल को दिल्ली शराब नीति मामले में उनसे पूछताछ की। ईडी अधिकारियों ने कहा कि उनका बयान धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत दर्ज किया गया था।

विभाग के विशेष सचिव वाईवीवीजे राजशेखर के अनुसार, विभव कुमार पर यह कार्रवाई लंबित 2007 के एक मामले का हवाला देते हुए की गई है। जिसमें उन पर सरकारी काम में बाधा डालने और शिकायतकर्ता को गाली देने या धमकी देने का आरोप लगाया गया था। जारी आदेश में कहा गया है कि विभव कुमार को आम आदमी पार्टी (आप) सुप्रीमो के निजी सचिव के पद से तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया गया है। सतर्कता विभाग ने कहा कि विभव कुमार की नियुक्ति से पहले उनके लंबित आपराधिक मामले के संबंध में पृष्ठभूमि की जांच नहीं की गई थी। उनके खिलाफ आईपीसी धारा 353, 504 और 506 के तहत दर्ज मामला दर्ज है। मामला लंबित होने के बावजूद उनकी नियुक्ति की गई। उनकी नियुक्ति प्रक्रिया में नियमों का पालन नहीं किया गया। इसलिए नियुक्ति अवैध और अमान्य है।

लालू की बेटी मीसा भारती बोलीं

हमारी सरकार आई तो मोदी जेल में होंगे

केंद्रीय मंत्री बोले-2029 तक सब फिक्स है...

नई दिल्ली,11अप्रैल 2024, (ए)। आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव की बेटी

मीसा भारती के एक बयान ने बिहार की सियासत गरमा दी है। मीसा भारती ने कहा था कि अगर जनता का आशीर्वाद मिला और हमारी सरकार आई तो पीएम मोदी समेत बीजेपी के कई नेता जेल में होंगे। मीसा भारती के बयान पर बीजेपी भड़की हुई है। डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने कहा कि कौन जेल में है, कौन बेल पर और कौन जेल जाएगा, चुनाव के बाद सबका हिसाब होगा।

मीसा भारती पाटलिपुत्र लोकसभा सीट से आरजेडी के टिकट पर चुनाव लड़ रही हैं। उन्होंने दो बार पीएम मोदी के जेल जाने को लेकर बयान दिया है। पहली बार एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में, दूसरी बार जनसंपर्क अभियान के दौरान।

काशी विश्वनाथ धाम में धोती-कुर्ता पहनकर पुलिसकर्मी करेंगे मंदिर परिसर की सुरक्षा

वाराणसी,11अप्रैल 2024, (ए)। उत्तर प्रदेश स्थित काशी विश्वनाथ धाम परिसर में पुलिसकर्मी अब भक्तों की तरह ही धोती-कुर्ता पहनकर मंदिर परिसर की सुरक्षा करेंगे। हालांकि, ऐसा ही प्रयोग आज से कुछ साल पहले 2018 में किया गया था। मंदिर अधिकारियों के मुताबिक, पुरुष सुरक्षाकर्मी भक्तों की तरह भेष धारण करने के लिए धोती कुर्ता पहनेंगे,जबकि महिला सुरक्षाकर्मी सलवार कुर्ता पहनेंगे। हालांकि, इस विशेष पोशाक को धारण करने से पहले इन सुरक्षाकर्मियों को तीन दिन का प्रशिक्षण लेना होगा कि आखिर कैसे मंदिर में आने वाले भक्तों से संवाद स्थापित किया जाए।

यह कदम भक्तों के अनुभव को सुखद बनाने के मकसद से उठाया गया है, ताकि उनके अंदर सुरक्षाकर्मियों की पोशाक से जुड़ी नकारात्मक धारणा को खत्म किया जा सके। इसके अलावा, भीड़ को नियंत्रित करने के लिए नो टच पॉलिसी भी लागू की गई है।

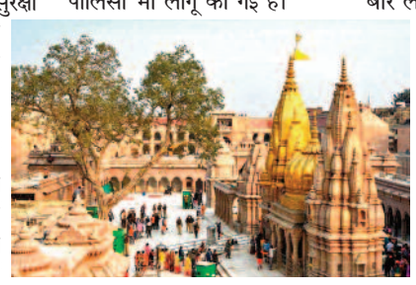

पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने कहा कि जिस तरह से पुलिस उनके साथ व्यवहार करती है, उससे उन्हें ऐसा कभी नहीं लगा कि उनके साथ अपमानजनक व्यवहार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि भक्त मंदिर के पुजारियों के समान कार्यों को अधिक स्वीकार कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, ÷आमतौर पर इस तरह की समस्याएं तब होती हैं, जब भगवान के दर्शन करने के लिए भक्त कतारों में लगते हैं। कई बार लोगों को लंबा इंतजार करना पड़ता है, जिसकी वजह से वह परेशान हो जाते हैं, लिहाजा इस समस्या का समाधान करने और पुलिस की छवि को मित्रवत बनाने के मकसद से खाकी फी नीति अख्तियार की गई है।÷

अग्रवाल ने आगे कहा कि वो पुलिस की छवि सुधारने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि मंदिर दर्शन करने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं का अनुभव सुखद हो। उन्होंने कहा कि आमतौर पर पुलिस बिना शारीरिक स्पर्श किए भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास करते हैं, जो कि बतौर श्रद्धालु हमारे लिए एक सुखद अनुभव है।

पाकिस्तान यदि आतंकवाद खत्म नहीं कर पा रहा,तो भारत मदद के लिए तैयार

नई दिल्ली,11अप्रैल 2024, (ए)।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि अगर पड़ोसी देश अक्षम महसूस करता है तो भारत आतंकवाद को रोकने के लिए सहयोग करने के लिए तैयार है। इसके साथ ही राजनाथ ने चेतावनी दी कि अगर पाकिस्तान एक उपकरण के रूप में आतंक का इस्तेमाल करके भारत को अस्थिर करने की कोशिश करता है तो उसे अपने कार्यों के परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने अगर पाकिस्तान आतंकवाद पर अंकुश लगाने में असमर्थ महसूस करता है, तो भारत आतंकवाद को रोकने में सहयोग करने के लिए तैयार है।एक इंटरव्यू में रक्षा मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान को अपनी धरती से पैदा होने वाले आतंक पर लगाम लगानी चाहिए और जरूरत पड़ने पर भारत अपना समर्थन देने के लिए तैयार है। राजनाथ ने कहा, अगर पाकिस्तान (आतंकवाद पर अंकुश लगाने में) असमर्थ महसूस करता है, तो भारत आतंकवाद को रोकने में सहयोग करने के लिए तैयार है। सिंह ने यह भी कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर ÷भारत का हिस्सा था, है और रहेगा।

संपादकीय

भारत के खिलाफ भीतरी चाल रचने वालों की कुचक्र की बू

भारतीय खुफिया एजंसियों द्वारा पाकिस्तान समेत दुनिया के तमाम देशों में रहने वाले दुश्मन या भारत के खिलाफ षड्यंत्र रचने वालों को भारतीय खुफिया एजेंसियों द्वारा खत्म किया जा रहा है। ब्रिटिश अखबार द गार्जियन' में यह खबर प्रकाशित हुई है जिससे पाकिस्तान में अचानक खलबली मच गई है। भारत सरकार ने इस आरोप को सिरे से खारिज करते हुए इसे झूठा और दुर्भावनापूर्ण भारत विरोधी प्रचार बताया। सवाल यह भी उठ रहा है कि पाकिस्तान संभवत- ये हत्याएं स्वयं करवा रहा हो।द गार्जियन दुनिया भर में बेहद सम्मानित 202 वर्ष पुराना अखबार है। सेंट्र-लेफ्ट विचारधारा वाला यह अखबार अपने स्कूप्स यानी सनसनीखेज खबरों के लिए भी जाना जाता है। अखबार ने 2019 में पुलवामा आतंकवादी हमले के बाद भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए उठाए गए साहसिक कदम की भी बात की है। इसने 2020 से अब तक भारत के खिलाफ साजिश रचने वाले बीस आतंकवादियों की हत्या अज्ञात हमलावरों द्वारा होने की भी चर्चा की है।पाकिस्तानी मीडिया इस रिपोर्ट के हवाले से कह रहा है कि मोदी सरकार ने इन हत्याओं के आदेश दिए और यह भी कि रॉ कुख्यात एजेंसी है। पाकिस्तान को सबसे खतरनाक देश कहने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अभी बीते दिनों अचानक उसका समर्थन करते रहने का बयान देकर चौंका दिया था। उधर, चीन का भी पाकिस्तानी के प्रति सकारात्मक रुख स्पष्ट है। ऐसे में जब देश में आम चुनाव चालू है, पाकिस्तान जैसे देश के प्रति अपना झुकाव दर्शाने वाले देश या बयान दीर्घकालिक कूटनीतिक संकेत दे रहे हैं।अपने देश की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहना और आतंक फैलाने के मंसूबों को ध्वस्त करना विश्व शांति के लिए बेहद आवश्यक है।खासकर ऐसे समय में जब दुनिया भर को आतंकवाद को प्रश्रय देने के मामले में पाक की करतूतें किसी से छिपी नहीं हैं। विभिन्न अवसरों पर विश्व मंच से बार-बार इस बात को दोहराया गया है, और पाकिस्तान को चेतावनी भी दी जाती रही है। विश्व पटल पर तेजी से मजबूत होती जा रहे भारत के प्रति वैमनस्य रखने वाली मानसिकता की अनदेखी नहीं जानी चाहिए।भारत सरकार को इस पर सिर्फ विरोध ही नहीं करना चाहिए, बल्कि सख्त जवाब की दरकार भी करनी चाहिए ताकि किसी भी दुष्प्रचार का पर्दाफाश कर अपना पक्ष स्पष्ट किया जा सके।

कवि की दुनिया निराली है...

मनोभाव शब्दों में तोले,रौद्र-शृंगार सभी रस बोले ।
भक्ति भाव उमड़े कविता में,क्रांति की लावा खौले।।
कवियों की दुनिया है निराली,
कलम भाव सब मन के बोले।
शब्दों से ही आंके सबको,
शब्दों से ही सबको तोले।।
सूर्य, चंद्रामा,पर्वत,नदियाँ ,
संग उसके सब ही तो होले।
बरखा की बूंदों संग बातें ,
सुमन के संग बतियाते डोले।
भंवरों की गुंजन भाए ,
और तितली भेद जिया के खोले।
कवियों की दुनिया है निराली,
कलम भाव सब मन के बोले।।
चालीसा,छंद,गीत,दोहों से,अंतस सबके सदा टटोल।
सुख-दुख सारे ही घड़ियों में ,
संग सभी के ये तो होले।।
अंगार भरे हो शब्दों में ,
या चाहे फिर वो मिश्री घोले।
शब्द हिया में घर कर जाते,
भावों से वो सदा टटोले।।
सूर,तुलसी,और कबीर,
संग सब के हर पल ही होले।
कवियों की दुनिया है निराली,
कलम भाव सब मन के बोले।।

पूनम शर्मा स्नेहिल
जमशेदपुर
झारखंड

अभिनंदन बारंबार करूं

योगदान तुम भी कर दो
मैं कब तक अब प्रयास करूं
चलो रूठना अब छोड़ो
मैं कब तक अब मनुहार करूं.।।
ये पहल सफल यदि हो जाए
संबंध मधुर हो जाएंगे
तुम भी कुछ कदम बढ़ाओ अब
मैं कब तक अब तकरार करूं.।।
जीवन में अनबन से अक्सर
संबंध मधुर मिट जाते हैं
गलतियां चलो मेरी ही थीं
अब बोलो क्या स्वीकार करूं.।।
तुमने ही अपनापन देकर
मुझको ज़िद्दी कर डाला था
अब चलो भुला दो भूल हुई
तुमको अर्पण सम्मान करूं.।।
सुमधुर स्वप्न अब बुनते हैं
स्वीकृति तुम्हारी हो जाए
स्वीकार चलो अब कर भी लो
अभिनंदन बारंबार करूं.।।
अभिनंदन बारंबार करूं.।।

विजय कनौजिया काही
अम्बेडकरनगर
उत्तर प्रदेश

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

सूर्य के समान ही देदीप्यमान अष्टभुजा धारी माता कुष्मांडा

माता कुष्मांडा का आशीर्वाद सब पर बना रहे

मां कुष्मांडा देवी का अवतार, मां दुर्गा के नौ रूपों में से एक है जिनकी पूजा नवरात्र के चौथे दिन की जाती है। मां दुर्गा के इस अवतार का नाम, तीन शब्दों से मिलकर बना है - 'कु' यानी छोटा सा, 'उस्मा' यानी ऊर्जा और 'अंडा' यानी एक गोला। अर्थात, मां कुष्मांडा के नाम का पूरा मतलब है-ऊर्जा का एक छोटा सा पवित्र गोला। कहा जाता है, कि जब सृष्टि में चारों ओर अंधकार फैला था,तब माँ दुर्गा अपने इसी स्वरूप में प्रकट हुई थीं। अपनी मनमोहक मुस्कान से माँ दुर्गा ने चारों तरफ प्रकाश उत्पन्न कर ब्रह्माण्ड की रचना की थी। इस कारण, यह आदि स्वरूपा या आदिशक्ति के नाम से भी जानी जाती हैं। मां कुष्मांडा को ब्रह्मांड की पहली देवी कहा गया है, जो आंतरिक शक्ति का एक रूप हैं। मां कुष्मांडा की आठ भुजाएं हैं, जो आठों दिशाओं को दर्शाती हैं। इसी कारण, उन्हें अष्ट भुजाओं वाली भी कहा जाता है। मां के सात हाथों में चक्र, गदा, धनुष, कमंडल, कमल पुष्प, कलश और बांध क्रमशः सुशोभित रहते हैं और उनके आठवें हाथ में, सभी सिद्धियों और निधियों को देने वाली जपमाला विभूषित है।

माना जाता है, कि जब सृष्टि की कोई रचना नहीं हुई थी, तब एक छोटा सा ऊर्जा का गोला उत्पन्न हुआ और उस गोले ने आठों दिशाओं में रोशनी फैला दी। देखते ही देखते, उस गोले ने एक नारी का रूप ले लिया। वह नारी और कोई नहीं, बल्कि माता कुष्मांडा थीं। इस प्रकार, उन्होंने सृष्टि की रचना की। माता कुष्मांडा के नाम में ही सृष्टि की रचना का भाव छुपा है। सृष्टि की रचना कर माता कुष्मांडा ने 3 देवियों को जन्म दिया और अन्य देवताओं की रचना की। उन्होंने अपने त्रिनेत्र से तीनों देवियों की सर्जना की। उन्होंने अपने बाएं नेत्र से महाकाली देवी को उत्पन्न किया । दाएं नेत्र से मां सरस्वती देवी को उत्पन्न किया, तो वहीं, अपने मस्तक पर केंद्रित आंख से महालक्ष्मी देवी का निर्माण किया।

तत्पश्चात, उन्होंने तीनों देवियों से एक नर और एक नारी को प्रजनित कराया। उन्होंने महाकाली देवी से उत्पन्न हुए पुरुष को भगवान शिव और महिला को माता सरस्वती का नाम दिया तदोपरांत, उन्होंने जीवनसाथी के रूप में ब्रह्मदेव को माता सरस्वती, भगवान शिव को मां शक्ति और भगवान विष्णु को लक्ष्मी माता प्रदान किया। इसके बाद, देवी कुष्मांडा सूर्य के मूल में रहने लगीं । अर्थात, मां कुष्मांडा एकमात्र ऐसी देवी हैं, जो सूर्य के मूल में निवास करती हैं। उनकी ऊर्जा, कांति और प्रभा भी सूर्य के समान ही देदीप्यमान है। सूर्य लोक में रहने की क्षमता केवल इन्हीं देवी में है। वहां, भगवान सूर्य की शक्ति का स्रोत भी है। सूर्य के केंद्र में निवास करते हुए वे सारे सौर्य मंडल को नियंत्रित करती हैं। मां कुष्मांडा की पूजा करने से, सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है और सभी कष्ट मिट जाते हैं। मां कुष्मांडा आध्यात्मिक साधना में अनाहत चक्र की प्रतिनिधि मानी जाती हैं। माता कुष्मांडा को प्रसन्न करने के लिए उनके मंत्र का जाप भी अनिवार्य माना गया है, जो कुछ इस प्रकार है:-**ॐ देवी कूष्माण्डायै नमः**
अर्थात,ओमकार स्वरूप वाली, अमृत से परिपूर्ण कलश को धारण करने वाली और कमल पुष्प से युक्त तेजोमय मां कूष्मांडा के चरणों में हम सभी नमन करते हैं।

विशेषः- मां दुर्गा के कुष्मांडा अवतार से हमें यह सीख मिलती है, कि एक नारी भले ही शांत, सौम्य और कोमल प्रतीत होती है, मगर उस नारी में इतनी शक्ति होती है, कि वह ना सिर्फ एक नए जीवन को जन्म दे सकती है, बल्कि अगर वह चाहे, तो पूरी सृष्टि की रचयिता भी हो सकती है। इस पुरुष प्रधान समाज में नारी शक्ति का महत्व समझना बहुत आवश्यक है और मां कुष्मांडा नारी शक्ति का सबसे पहला और भव्य उदाहरण हैं।
जय माता दी जय माता दी

संजीव ठाकुर
चौबे कॉलोनी
रायपुर
छत्तीसगढ़,

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

जब झुंझुनू से चुनाव हार गए थे उद्योगपति बिड़ला

हरियाणा सीमा पर स्थित राजस्थान का झुंझुनू जिला एक तरफ जहां पूरे देश में सैनिकों के लिए जाना जाता है। वहीं दूसरी तरफ देश के बहुत से बड़े-बड़े उद्योगपति भी झुंझुनू जिले के रहने वाले हैं। हालांकि सभी बड़े उद्योगपति झुंझुनू जिले से बाहर जाकर अपना व्यवसाय बढ़ा कर उद्योग जगत में अपना नाम कमाया है। मगर कई बार औद्योगिक घरानो के परिवार के सदस्य अक्सर झुंझुनू आते रहते हैं। इसी तरह भारतीय सेना में देश में किसी एक जिले से सबसे अधिक सैनिक झुंझुनू जिले के जवान है। वही देश में सबसे अधिक शहीद भी झुंझुनू जिले के सैनिक हुए हैं। देश में लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। सभी जगह चुनावी चर्चाएं जोरों से चल रही है। झुंझुनू जिले में 1971 का लोकसभा चुनाव पूरे देश में चर्चित रहा था। उस समय देश के सबसे बड़े उद्योगपतियों में शुमार बिड़ला घराने के कृष्ण कुमार बिड़ला स्वतंत्र पार्टी से झुंझुनू लोकसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतरे थे। उनके सामने कांग्रेस पार्टी ने एक साधारण किसान के घर जन्मे शिवनाथ सिंह गिल को चुनाव मैदान में उतारा था। पिलानी के रहने वाले बड़े उद्योगपति घनश्याम दास बिड़ला के सुपुत्र कृष्ण कुमार बिड़ला का उस समय देश के उद्योग जगत में एक बड़ा नाम होता था। लाखों की संख्या में लोग बिड़ला घराने के औद्योगिक संस्थानों में काम करते थे।

दूसरी तरफ बैंकों के राष्ट्रीयकरण व पाकिस्तान युद्ध में मिली जीत के बाद प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की देशभर में हवा चल रही थी। उस समय देश में इंदिरा गांधी आई है, नई रोशनी लाई है नारा बहुत चर्चित हुआ था। उस नारे की बदौलत देश में कांग्रेस की ऐसी हवा चली थी कि विपक्ष के कई बड़े धुरंधर नेता चुनाव हार गए थे। इंदिरा गांधी ने बिड़ला घराने के कृष्ण कुमार बिड़ला को हराने के लिए जिले के धमोरा गांव के शिवनाथ सिंह गिल को चुनाव मैदान में उतार दिया था। उस समय शिवनाथ सिंह गिल गुढ़ा क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक थे।

चुनाव में एक तरफ देश के सबसे धनवान प्रत्याशी थे तो दूसरी तरफ कांग्रेस के एक साधारण किसान चुनाव लड़ रहा था। उस वक्त के चुनाव में धनवान बनाम किसान का नारा लगा था। स्वतंत्र पार्टी के प्रत्याशी कृष्ण

कुमार बिड़ला ने अपने कल कारखानों में कार्यरत झुंझुनू जिले के सभी लोगों को चुनाव प्रचार के लिए झुंझुनू भेज दिया था। बिड़ला की ओर से बड़े भव्य तरीके से चुनाव लड़ा जा रहा था तथा जमकर पैसा खर्च किया जा रहा था। वहीं दूसरी तरफ शिवनाथ सिंह गिल सामान्य प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रहे थे।

जब चुनाव नतीजे आए तो सभी राजनीतिक पर्यवेक्षक दंग रह गए। बड़े-बड़े राजनीतिक भविष्यवक्ताओं की भविष्यवाणी फेल हो गई। देश के सबसे बड़े उद्योगपति परिवार के कृष्ण कुमार बिड़ला को कांग्रेस के एक किसान परिवार के प्रत्याशी शिवनाथ सिंह गिल ने 98949 वोटो के अंतर से चुनाव हार दिया था। उस चुनाव में कांग्रेस के शिवनाथ सिंह गिल को 223286 यानी 59.79 प्रतिशत वोट मिले थे। वहीं स्वतंत्र पार्टी के कृष्ण कुमार बिड़ला को 124337 यानी 33.30 प्रतिशत वोट मिले थे। कामरेड घासीराम को 9548 वोट, हणुताराम को 5073 वोट, बलदेव प्रसाद को 3143 वोट, दुलाराम को 3013 वोट, महादेव प्रसाद को 2113 वोट, बृजमोहन को 1801 वोट, तारावती को 1113 वोट मिले थे। उस चुनाव में मुल 9 प्रत्याशी खड़े हुए थे। मगर मुख्य मुकाबला कृष्ण कुमार बिड़ला व शिवनाथ सिंह गिल के बीच ही हुआ था।

लोकसभा चुनाव में हारने के बाद बिड़ला परिवार का झुंझुनू जिले से मोह भंग हो गया और उन्होंने अपनी जन्म भूमि पिलानी में एक शैक्षणिक संस्थान बिड़ला प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (बिट्स) के अलावा और कोई भी ऐसा काम नहीं किया जो जिले की जनता के काम आ सके। हालांकि बाद में कृष्ण कुमार बिड़ला कांग्रेस के टिकट पर 1984 से 2002 तक लगातार 18 वर्षों तक राज्यसभा सदस्य रहे। बाद में कृष्ण कुमार बिरला की बेटी व हिंदुस्तान टाईम्स अखबार की अध्यक्ष शोभना भरतीया भी एक बार कांग्रेस के टिकट पर राजस्थान से राज्यसभा सदस्य रह चुकी है।

कहते हैं कि उस चुनाव में बिड़ला परिवार ने अपने यहां काम करने वाले लोगों को चुनाव प्रचार के लिए झुंझुनू भेज दिया था और बिड़ला परिवार के बड़े-बड़े मैनेजर अलग-अलग विधानसभा चुनाव के प्रभारी बनाए गए थे। जब वह अपने समर्थन में आए हुए लोगों से चुनाव के दौरान चुनाव की स्थिति पूछते थे तो सभी लोग कहते थे कि बाबू बारह आना यानी की 12 आने में बाबू है बाकी में शिवनाथ सिंह गिल है। मगर जब बिड़ला परिवार की चुनाव में हार हो गई तो लोगों ने एक जुमला बना लिया कि बाबू बिड़ला तो पहले ही बारह आना थे। यानी कि पहले ही उनके भाव खराब थे। उस समय बाबू बारह आना बहुत चर्चित हुआ था।पुराने लोग बताते हैं कि चुनाव के दौरान बिड़ला परिवार ने लोगों से वायदा किया था कि यदि कृष्ण कुमार बिड़ला चुनाव जीतते हैं तो जिले में ऐसे बड़े उद्योग धंधों की स्थापना की जाएगी जिससे आने वाले समय में लोगों को रोजगार मिलेगा। मगर बिड़ला परिवार की हार के बाद उन्होंने जिले के विकास में कोई रुचि नहीं ली। 1971 में बिड़ला को भारी मतों से हराने वाले शिवनाथ सिंह गिल भी 1977 के लोकसभा चुनाव में जनता पार्टी की लहर में कन्हैयालाल महला से सवा लाख से ज्यादा मतों से चुनाव हार गए थे।

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू,
राजस्थान

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

मुझ जैसी छोटी सी लेखिका का लिखना तब सार्थक होगा-सावधान नौनिहालों

बहुत ही हृदय विदारक घटना थी जिसे देख रोंगटे खड़े हो गये और मन में यही विचार आया कि क्या रियल बनाना इतना ज्यादा जरूरी हो गया है कि चाहे उसमें हमारी जान चली जाए बस हमें तो रील बनाना है कैसे भी करके बनाना है यही सोच रख रहे हैं शायद आजकल के नवयुवा देखिए ना कैसी-कैसी रील बना रहे हो और किस जगह बना रहे हैं मौत को अपने हथेलियां में रखकर बच्चे बस रील बनाने में लगे हुए हैं रील बनते-बनते ही ना जाने कितने अगिनत हादसे उसी कैमरे में कैद हो जाते हैं जिसमें वह कुछ लाइक और कमेंट्स और अपने फॉलोवर्स बढ़ाने के लिए रील बनाते हुए उन्हें कैद करने की कोशिश करते हैं । पर उन्हें क्या पता कि वह जी रील को बनाने के लिए जिन लाइक फॉलोअर्स को बढ़ाने के लिए अपने जान को हथेली में रखकर जिस मोबाइल या कैमरे में रिकॉर्ड कर रहे हैं । इस कैमरे में रील के साथ-साथ उनकी लाइव मौत रिकॉर्ड हो जाती है । कितना दुर्भाग्य भरा होगा वह क्षण व मंजर जो इस तरह की रील जो अचानक हुए हादसे से कैमरे में रिकार्ड होने पर भी सोशल मीडिया रील बनाने वाले भेज देते हैं । दरअसल आज एक रील देखी थी जिसके अंतर्गत तीन बच्चे बच्चे तो नहीं कहूंगी रील बना रहे मतलब बालिग ही हों जो मेट्रो ट्रेन की पठरी पर बैठकर रील बनाने की कोशिश कर रहे थे तभी जिन पटरियों पर वह बैठकर रील बनाना चाह रहे थे वही पटरिया बिजली के तारों के अंतर्गत बिजली के संपर्क में आ गई और उन पटरियों में करंट दौड़ गया वह तीनों के तीनों बच्चे इस पटरी के संपर्क में आ गए । जिसके अंदर ना जाने कितने मेगावाट बिजली दौड़ पड़ी थी और तीनों के तीनों बच्चे रील बनाते-बनाते अपनी ही मौत को लाइव रिकॉर्ड करवा बैठे । यह जो हादससा था यह किसी विदेश का ही लग रहा था यहां तक की स्टेशन पर खड़े हुए लोग भी उनके लाइफ मौत को रिकॉर्ड करने लगे किसी ने भी उन्हें रील बनाते समय नहीं टोका कि वह जो कर रहे हैं बहुत ही गलत है और अपनी जान से खेल रहे हैं जब वह करंट के संपर्क में आए तो फटाफट हर किसी ने अपना मोबाइल निकाला और उसे अपने कैमरे में कैद करने लगे तमाशा बना कर रख दिया है आजकल के नव युवाओं ने जिंदगी को इनको जिंदगी बहुत ही सस्ती लगती है इंसान की जिंदगी थी उसे परमात्मा ने दिया। इसलिए इनको मुफ्त में मिली हुई हर कोई चीज हजम नहीं हो रही है क्यों कुछ लाईक , कॉमेंट्स , फॉलोअर्स बढ़ाने और अपने कमाई का जरिया शुरू करने के लिए बच्चे इस कदर अपनी ही जिंदगी से खेल रहे हैं तनिक भी अपने मां-बाप के ऊपर गुजरने वाले दर्द के बारे में पहले नहीं सोचते हैं की क्या होगा उनका । ऐसा ही एक किस्सा हमारे भारत देश का भी है जहां पर एक लड़की चलती ट्रेन के दरवाजे पर खड़े होकर इस तरह स्टंट दिखा रही थी मानो वह किसी भी लड़के से कम नहीं है और वह हर एक लड़के को रील बनाते-बनाते जैसे चुनौती दे रही थी कि दम है तो आ जाओ मेरी तरह तुम भी स्टंट करके दिखाओ परंतु यह क्या रील बनने के चक्कर में दरवाजे से लटकते हुए उसका खुद के पांव से नियंत्रण छूट गया और वह चलती ट्रेन से जाकर नीचे गिर गई न जाने उस तेज गति से चलने वाली ट्रेन से गिरने के बाद उसके साथ क्या हुआ होगा क्या वह बच्ची भी होगी या नहीं बची होगी मन में सवाल तो मेरे भी रह गया है जिस हिसाब से ट्रेन की गति थी तो मुझे नहीं लगता कि वह लड़की बची भी होगी उसकी पैदा होने से लेकर उसके जवान होने तक उसके मां-बाप ने न जाने कितने सपने देखे होंगे न जाने कितने रुपए खर्च करके उसे शिक्षा दी होगी बिल्कुल लड़कों की तरह कि हमारी लड़की किसी से भी कम नहीं है परंतु जरा सा दिखावा उसे उसकी मौत की और ले गया । इसी तरह न जाने कितने अनंत किस्से होंगे जिनके बारे में मैं तो जानती भी नहीं हूँ। इसी तरह वारंगल से भी एक वीडियो आया था जहां पर एक लड़का एकदम रेलवे ट्रैक से सटकर रील बनवा रहा था पैदल चलते हुए वो भी रेलवे ट्रैक के इतने नजदीक था । फिर भी रील बनाने वाले ने बिल्कुल भी उसको सतर्क नहीं किया और तभी बहुत ही तेज गति से आ रही उसके पीछे से एक ट्रेन से उसकी टक्कर हो गई तभी वह लड़का उसे टक्कर को सहन न कर सका और पटरी पर जाकर गिर गया और वही मौके पर ही उसकी मौत हो गई । आखिर क्या साबित करना चाहता था वह लड़का कि वह बहुत ही बहादुर है उसे मौत से डर नहीं लगता है परंतु काल से खेलने वाले को कभी भी काल ही पसंद नहीं करते ।हाल ही में एक खबर के अनुसार इसके अंतर्गत लग्जरी कारों के ऊपर के दरवाजे को खोलकर कारों की काफिले से लड़के बाहर देख रहे थे और बहुत ही तेज गति से कारों को चलते हुए रील बना रहे थे सोशल मीडिया पर यह वीडियो भी बहुत वायरल हो रहा था क्या दिखाना चाहते हैं यह लड़के आखिर कि वह किसी रईस पिता की औलाद है जो अपने पिता की और कमाई पर इतना इतरा रहे हैं जो यह दिखा रहे हैं कि यह सब उनका खुद का अपना कमाया हुआ है नहीं यह सब कमाया हुआ उनके मां-बाप की मेहनत की कमाई का है जो होना तो बाद में आपका ही है परंतु आप उनकी मेहनत की कमाई को इस कदर गलत इस्तेमाल करते हुए अपने व्यक्तित्व को समाज के सामने दर्शा रहे हैं । एक कहावत थी जब तक हम खुद की कमाई से कोई सामान खरीद कर इस्तेमाल नहीं करते हैं तब तक हमें उस सामान की कद्र नहीं होती कीमत भी हमारे लिए पानी के समान शून्य मात्र ही होती है । परंतु जब हम खुद की कमाई से एक रुमाल भी खरीद लेते हैं तो उसकी कीमत हमें लाखों रुपए लगती हैं । ऐसा क्यों ? क्यों की अपने मां-बाप की कमाई को पानी समझकर , उस कमाई को शराब में व रील बनाने में इस्तेमाल में लाया जाए ? याद रखिएगा आप 10 साल मेहनत करेंगे इस सोशल मीडिया के हर एक प्लेटफार्म पर तब जाकर आपकी कमाई चालू होगी इससे अच्छा तो आप स्वयं 10 साल की खपत को जिंदगी में खुद को काबिल बनाने में खर्च करें । कुछ ऐसे कार्य में अपनी मेहनत को लगाए की आपकी एक दो महीने में ही कमाई चालू हो जाए ।

हाल ही में मेरी एक सहेली से बात हुई थी जिन्होंने मुझे यह बताया कि वह वर्ष 2014 से हर एक अपने परिवार की गतिविधियों को सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर डालती थी रील डालते डालते या फोटो डालते डालते 2024 में उसे कमाई आना चालू वह भी मात्र ₹1200 अब आप बताइए जिन 10 सालों को उन्होंने सोशल मीडिया की प्लेटफार्म पर ₹1200 कमाने में खर्च कर दिए वह इन 10 सालों में इन ₹1500 को 15 करोड़ भी बना सकती थी या चलिए 15 लाख ही बना सकती थी । आप में मेहनत करने का हुनर है । आप सभी अपने हुनर को सही जगह इस्तेमाल करें ना की 10 साल 5 साल लाइक फॉलोअर्स बढ़ाने के चक्कर में अपने 5 सालों को बर्बाद कर दें अभी संभलने का मौका है संभल जाइए मां-बाप के जज्बात से नहीं खेलें । अरे भाई इन जानलेवा रील के चक्कर में अपने मां-बाप के अरमानों को उनकी मेहनत की कमाई को पानी की तरह नहीं बहाएं । एक बार सोच कर देखिएगा क्या मैं गलत कह रही हूं शायद आपको भी यही लगेगा कि नहीं मैं गलत नहीं कह रही हूं । कहते हैं बच्चों को को यदि उनके माँ-बाप खुद समझाते तो वह नहीं समझ पाते हैं वह बुरा मान जाते हैं और यही सोचते हैं कि उनके मां-बाप उन पर बंदिशें लगा रहे हैं । परंतु वही बात जो मां-बाप समझाना चाहते हैं अगर कोई बाहर वाला समझा दे तो बच्चों पर उसका असर जल्दी होता है और वह जल्दी समझ जाते हैं । यह सिर्फ दूसरों के मां-बाप के साथ नहीं मेरे साथ भी होता है मैं भी एक मां हूं जब मेरा बच्चा मेरी बात को नहीं समझ पाता है तो मैं उसकी कक्षा अध्यापिका से बात करके कहती हूँ , कि आप उसे समझाइए और मेरा बेटा अपनी कक्षा अध्यापिका के सम्मान में उनकी हर बात को मानकर मेरा मान बढ़ा देता है । इसलिए मेरा यह संदेश एक बाहर वाला सदस्य समझ कर , कोई भी बच्चा वक्त पर संभल जाए और रील बनाना छोड़ अपनी जिंदगी में कुछ कर दिखाने का जज्बा अपना लें तो मुझ छोटी सी लेखिका का लिखना सार्थक हो जाएगा ।

वीना आडवाणी
तन्वी
नागपुर,
महाराष्ट्र

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

सोशल मीडिया कितना जरूरी हो गया

हर बार की तरह इस बार भी सच्ची घटनाओं पर आधारित लेख, शीर्षक से ही पाठक समझ चूँके होगे कि आज की लेख सोशल मीडिया पर आधारित है। तो चलिए शुरुआत करते हैं और जानते हैं कि आज के समय में सोशल मीडिया कितना जरूरी हो चूका है। सोशल मीडिया की अगर बात तो आज के समय बहुत कम सदस्य ही ऐसे मिलेगे जो सोशल मीडिया इस्तेमाल नही करते हो बाकि के सभी सदस्यों अपने पढ़ाई के लिए या काम के लिए या व्यापार के लिए सोशल मीडिया इस्तेमाल करते ही है और जरूरी भी है। इन सभी जरूरी बातों पर ध्यान बाद में दिया जाएगा। सबसे पहले जो सच्ची घटना घटी है उसके बारे में समझे। दस अप्रैल को एक वरिष्ठ महिला साहित्यकार की बात, मुस्कान केशरी जी से हो रही थी। उन्हे अपनी पुस्तक प्रकाशित करवानी थी। इस बात की जानकारी लेने हेतु वो कॉल की थी तो मुस्कान केशरी जी ने सारी जानकारी दी और बोली कि आप अपनी रचनाएँ ईमेल के माध्यम से भेज दीजिए। तो वरिष्ठ साहित्यकार बोली- मुस्कान जी मुझे ईमेल चलाने नहीं आता है। वो तो पोता व्हाट्सएप चलाना सिखा दिया है तो चला लेते बाकि कुछ आता नहीं है। क्योंकि मेरे समय में ये फोन वोन कहाँ था, इसलिए मुझे सही से चलाने नहीं आता है। हमलोगो के समय में तो पत्र चलता था। लेखिका बोली - ठीक है, आप पोस्ट के माध्यम से भेज दीजिए या फिर अपने पोता को बोलकर भेजवा दीजिएगा। वरिष्ठ साहित्यकार बोली - मुस्कान जी वो पढ़ता है तो उसके पास समय कहाँ की वो भेजे। ऐसे मै बोलकर देखती हुँ। तो लेखिका बोली - आप व्हाट्सएप पर ही भेज दीजिए। व्हाट्सएप पर तो आपको कोई परेशानी नहीं है मैम, अगर कोई परेशानी है तो बताए मै आपको समझा दुँगी ताकि आप सारी रचनाएँ भेज सके। तब वरिष्ठ साहित्यकार बोली -मुस्कान केशरी जी आप बहुत अच्छी है। आपको पता है एक दिन ऐसे ही एक फार्म आया था नारी शक्ति सम्मान का, उसमे भी ईमेल करना था। लेकिन मुझे आता नहीं था तो मैं कॉल करके बोली की मुझे ईमेल नही चलाना आता, क्या व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं। तो वो लोग मना कर दिए और बोले ईमेल ही करना होगा अन्यथा वो फार्म नही डाल सकती हैं। तो वो अपने पोता को बोलकर-अपना परिचय और फोटो भेजवा देती है। लेखिका बोली - होता है मैम अभी ईमेल पर ही ज्यादातर काम किया जाता है। वो सब छोड़िए और हार्दिक शुभकामनाएँ मैम आपको नारी शक्ति सम्मान के लिए। वरिष्ठ साहित्यकार बोलती - नही जी, मै चयनित नही हुँ। लेखिका बोली - पर क्यों वैसे कोई बात नहीं, मैम ये सब फार्म हर साल आता है आप अगले बार फिर से फार्म डालिए और फार्म को पढ़कर डालिए क्योकि हर जगह का चयन प्रतिक्रिया अलग-अलग होता हैं। सहित्यकार बोली - केशरी जी मुझे आज तक जितने सम्मान पत्र प्राप्त हुए वो सब मैने अपने परिचय पर डाला था लेकिन आज तक फेसबुक पर कुछ डाला नहीं और उन्होने फेसबुक आईडी माँगा था और मै दे दी थी। उन्होने कॉल करके बताया - मैम आपने अपने परिचय पर जितने सम्मान पत्र डाला, वो आपको सच में मिले है या नहीं। क्योकि फेसबुक पर कुछ नहीं डाला हुआ है इसलिए इन सब सम्मान पत्र की जाँच नही की जा पाई इसलिए आप इस सम्मान के लिए चयनित नही है। उसके बाद काफी सारी बाते हुई लेकिन हर बात लिखना संभव नहीं। अब चलिए बात करते हैं और समझते हैं कि आप को सारे सम्मान पत्र बहुत मेहनत से प्राप्त हुआ लेकिन आपने उसें फेसबुक पर नहीं डाला इसलिए आपका चयन नही हुआ। सोचने वाली बात है शायद इसलिए लोग कही भी खाने-पीने, घूमने-फिरने, जाते हैं तो मोबाइल साथ ले जाते हैं क्योंकि आज के टाइम में सबूत चाहिए और हाँ सोशल मीडिया पर लाइव, शेयर भी। आज के समय में लोग अपने आँखों से कुछ भी देखना भूल चूके है। अपने हाथो से मोबाइल में कैद करते हैं और फिर मोबाइल में ही देखकर खुश होते हैं। बिना सोशल मीडिया के या बिना मोबाइल के शायद इस दुनिया में रहना मुश्किल सा लग रहा है। क्योंकि जितनी तेजी से लोग मोबाइल या सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रहे हैं जितने ही तेजी से सोशल काइम भी हो रहे हैं। इसलिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करें और सतर्क रहे, सुरक्षित रहे।।

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर
बिहार

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर .....न्यायालय..... के अधीन होगा।

C M Y K

मुस्लिम समाज ने ईद की नमाज अदा कर देश में अमन-चैन की मांगी दुआ

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर के सत्तीपारा ईदगाह में हजारों की संख्या में पहुंचे मुस्लिम समुदाय के लोगों ने नमाज अदा की। सभी ने नमाज अदा के बाद एक दूसरे से गले मिलते हुए ईद की मुबारकबाद दी। मुस्लिम समुदाय के लिए ईद-उल-फितर के पर्व का खास महत्व रहता है। इस दिन लोग एक दूसरे से गले मिलते हैं और ईद की मुबारकबाद देते हैं।

मुस्लिम समाज के पवित्र माह रमजान में एक माह तक समाज के लोग रोजा रखने के साथ ही इबादत में मशगूल रहे। रमजान में तरावीह की नमाज के साथ ही दावते इफ्तार का आयोजन किया गया। वहीं समाज के लोगों द्वारा ईद को लेकर जोर शोर से तैयारियां की जा रही थी। समाज द्वारा घरों की साफ सफाई के साथ ही जमकर खरीददारी की गई। बुधवार की शाम ईद का चांद नजर आते ही समाज के लोगों में खुशियां फैल गई। आज ईद की नमाज को लेकर सुबह से ही समाज के लोग ईदगाह व मस्जिदों की तरफ रवाना हुए थे। ईदगाह में सुबह 9 बजे ईद की नमाज अता की गई। इस दौरान पेश ईमाम द्वारा समाज के लोगों को ईद के मौके पर गिले शिकवे मिटाकर एक दूसरे को गले लगाने की सीख दी गई। ईद के मौके पर ईदगाह में मौलाना मुफ्ती अबरार आलम मिस्बाही द्वारा पढ़ाई गई। इसके साथ ही सदर रोड स्थित जामा मस्जिद में सुबह 9.30 बजे, तकिया मजार स्थित मस्जिद में सुबह 8.30 बजे व केंद्रीय जेल में सुबह 8.30 बजे ईद की दो रकत नमाज पढ़ाई गई। ईद के मौके पर लोगों में खास उत्साह देखने को मिला। समाज के लोगों अपने व परिवार के लिए तरक्की, खुशहाली के साथ ही देश में अमन चैन व आपसी भाईचारे की दुआ मांगी व एक दूसरे को गले लगकर ईद की बधाई दी। ईद की नमाज को लेकर आज जिला व पुलिस प्रशासन द्वारा भी ईदगाह व मस्जिदों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। इस दौरान पूर्व छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष शफी अहद, अंजुमन कमेटी के सचिव इरफान सिद्दीकी, परवेज आलम, अफजाल अंसारी, अब्दुल लतीफ, मो. फरहान, अमीर अंसारी आदि मौजूद थे।

ईद मिलन समारोह का आयोजन

ईद के मौके पर गुरुवार को शहर के इंद्रवाटिका में ईद मिलन का आयोजन श्रम कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष शफी अहमद द्वारा किया गया। इस दौरान ईद मिलन समारोह में सभी समाज के लोगों ने बढ़-चढक़ हिस्सा लिया व एक दूसरे को गले लगाकर ईद की बधाई दी। समारोह में प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव भी शामिल हुए। वहीं शाम को पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव की उपस्थिति में नगर के मोमिनपुरा में ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन वर्षों से हो रहा है।

प्रतापपुर से अंबिकापुर तक बनी सड़क में जगह जगह गड्ढों के कारण आए दिन हो रहे हैं हादसे

प्रतापपुर अंबिकापुर मार्ग का निर्माण कुछ साल पहले सड़क विकास निगम द्वारा कराया गया था

» **संबंधित विभाग के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की उठने लगी है मांग**

- संवाददाता -
प्रतापपुर,11 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

प्रतापपुर से अंबिकापुर तक बनी सड़क में जगह जगह गड्ढो के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं।मंगलवार को चिटका बहरा के पास भी टैंकर के पलटने और युवा शिक्षक की मौत का कारण भी इसी गड्ढो को माना जा रहा है। जानकारी के बावजूद इन्हें ठीक न करने वाले ठेकेदार और संबंधित विभाग के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग उठने लगी है।

गौरतलब है कि प्रतापपुर अंबिकापुर मार्ग का निर्माण कुछ साल पहले सड़क विकास निगम द्वारा कराया गया था जिसके ठेकेदार छत्तीसगढ़ से बाहर के थे और अंबिकापुर के एक बड़े ठेकेदार ने पेटी कांट्रेक्टर के रूप में काम किया था।सड़क तो जैसे तैसे बनकर तैयार हो गई थी लेकिन धीरे धीरे कई स्थानों पर जर्क की स्थिति निर्मित होनी शुरू हो गई थी। खासकर जहां पर पूल पुलिया बने हैं,इनके दोनों ओर सड़क दब गई है और वहां जर्क के कारण स्थिति खतरनाक हो गई है।प्रतापपुर,धरमपुर,गणेशपुर सहित कई गांवों के पास यह देखा जा सकता है कि जब यहां से कोई भी गाड़ी पर होती है तो उन्हें धीरे करना पड़ता है किंतु कोई नया चालक होता है तो गति के साथ इसे पार करता है और गाड़ी उछल जाती है,अनियंत्रित हो जाती है।कई बार ये बातें सामने आई हैं कि इन जर्क वाले स्थानों में गाड़ियों के उछलने के कारण उनमें बैठे लोगों को चोटे आई हैं,पहले मैं भी हो चुकी है।अब मंगलवार को भी हुए हादसे के लिए चीटका बहरा नाला के पास बने जर्क को ही माना जा रहा है।बताया जा रहा है कि जब टैंकर अंबिकापुर की ओर से आ रहा था तब कहीं पर जर्क पड़ा और झटके के कारण कोई पार्ट्स टूट गया जिस कारण स्टीयरिंग फेल हो गया और टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया था।इस दुर्घटना में एक शिक्षक की भी दर्दनाक मौत हो गई थी।सड़क में जर्क के कारण बन रही स्थिति और इसमें सुधार करने के लिए प्रतापपुर के एक जनप्रतिनिधि ने पेटी ठेकेदार को फोन लगा सुधारने भी कहा था, तब तो उसने आश्वासन दिया लेकिन फिर काम नहीं किया। अब एक और बड़े हादसे के बाद नगरवासी संबंधित ठेकेदार और सड़क विकास निगम के अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और प्रतापपुर से अंबिकापुर तक सभी जगहों पर बने जर्क वाले स्थानों को सुधारने की मांग कर रहे हैं।

इस नई सड़क को बने करीब पांच साल हुए हैं और यह ब्लैक स्पॉट बन गई है। प्रतापपुर से अंबिकापुर तक पूरी सड़क में आए दिन हादसे होते हैं और एक अनुमान के मुताबिक अब तक सौ के लगभग निर्दोष लोगों ने अपनी जान गवां दी है।वाहनों की तेज रफ्तार,गन्ना लेकर जाने वाले ट्रेक्टर,सब्जी वाली पिकप,बड़ी ट्रकें हादसों का कारण बनी हैं तो सड़क में जर्क भी बड़ा कारण है।

अल्पसंख्यक विभाग कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता जिशान खान ने ठेकेदार और विभाग पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने सड़क अमानक स्तर की बनाई थी और इसके विरोध में कई आंदोलन हुए थे।सड़क में आए दिन हादसों के कारण जिस तरह मौतों का आंकड़ा बढ़ रहा है,प्रशासन को इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है।पहले तो जर्क वाली स्थिति के लिए संबंधितों के खिलाफ कार्यवाही और मरम्मत जरुरी है।इसके साथ प्रशासन ऐसे उपाय करे ताकि हादसों को रोका जा सके।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कराया अवगत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंह देव ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उच्च शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल एवं वित्तमंत्री ओपी चौधरी को पत्र लिख कर सरगुजा जिले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के घोषणानुरूप छत्तीसगढ़ इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (सीआईटी) खोलने की मांग की है। उन्होंने पत्र में कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आईआईटी के तर्ज पर राज्य के सभी लोकसभा क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (सीआईटी) की घोषणा की थी। इस कड़ी में घोषणा के प्रथम चरण में राज्य शासन ने 5 सीआईटी की घोषणा भी बजट में की है, जिसमें नया रायपुर, कबीरधाम, जशपुर, रायगढ़ एवं बस्तर को शामिल किया गया है। सभी लोकसभा क्षेत्रों में जो छत्तीसगढ़ इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी(सीआईटी) की स्थापना की जानी है, उसमें रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र में दो सीआईटी प्रस्तावित हैं। जबकि सरगुजा लोकसभा क्षेत्र को इससे अछूता रखा गया है। आदित्येश्वर शरण सिंह देव ने पत्र में कहा है कि मैं जानकारी देना चाहूंगा कि सरगुजा संभाग का एक मात्र विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग कॉलेज अम्बिकापुर में वर्ष 2010 से संचालन हो रहा है, जो कॉलेज के छात्रों एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंह देव के अथक प्रयास से वर्तमान में छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई, जिला दुर्ग के संघटक में संचालित है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंह देव ने पत्र में कहा है कि विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग कॉलेज को छत्तीसगढ़ इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (सीआईटी) में अपग्रेड किया जाता है तो आदिवासी बाहुल्य सरगुजा संभाग के युवाओं को तकनीकी शिक्षा के रूप में काफी सुविधा यहां पर मिल सकेगी।

कोयला घोटाला: जांच में तीसरी बार पहुंची सीबीआई की टीम

» **27 सौ टन कोयला कम, रेहर भूमिगत खदान का है मामला**

- संवाददाता -
सूरजपुर,11 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

एसईसीएल विश्रामपुर क्षेत्र के रेहर भूमिगत खदान में शार्टेज कोयले की जांच करने एक बार फिर सीबीआई की टीम ने बुधवार को दस्तक दी। कोयला घोटाले में जल्दी ही अपराध दर्ज होने की चर्चा जोरों पर हैं। मामले से जुड़े अधिकारियों में अपराध दर्ज होने के भय सताने लगा है। मामले में सीबीआई अधिकारियों ने बिना जांच पूरे हुए मीडिया को कोई भी जानकारी देने से इनकार कर दिया है। लगभग दो करोड़ रुपये लागत के 27 सौ टन कोयला शार्टेज के मामले में सीबीआई यहां तीसरी बार जांच के लिए पहुंची है। एसईसीएल विश्रामपुर के रेहर अण्डरग्राउण्ड खदान की जांच करने इससे पूर्व पहली बार सीबीआई की टीम जनवरी माह में और दूसरी बार फरवरी माह में आ चुकी है। फरवरी माह में 22 दिन तक डेरा जमाए सीबीआई के अधिकारी इंस्पेक्टर यतीश चन्द्र शर्मा व पीसी संजय पटेल मामले से जुड़े दस्तावेजो को खंगालकर सबूत बतौर हजारों पन्नो के दस्तावेजो की फोटो कापी कराकर अपने साथ ले गए थे।

बता दें इससे पूर्व जुलाई 2022 में एसईसीएल कंपनी के विजिलेंस विभाग ने मामले की जांच शुरू की थी। जांच में करीब 27 टन कोयला कोल स्टाक में शार्टेज पाया गया था। तत्कालीन खान प्रबंधक समेत कई अधिकारियों का अन्य क्षेत्रों में तबादला करने के बाद मामला शांत हो गया था। लेकिन फिर अचानक सीबीआई टीम ने जनवरी माह से मामले की जांच शुरू कर दी है।

मैनपाट के बस्ती के समीप पहुंचे एक दर्जन गजराज

ग्रामीणों में दहशत...वन अमला लोगों को दे रहा समझाइश,मत जाना पास ...

- संवाददाता -
मैनपाट,11 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

छत्तसगढ़ के सरगुजा जिले के वन परिक्षेत्र मैनपाट में आज एक दर्जन से भी अधिक जंगली हाथियों का दल पहुंच गया। ग्राम ललेया के जंगल में विचरण करते हाथियों के इस दल की निगरानी में जुटे वन अमले के द्वारा मोबाइल पर वीडियो भी बनाई गई। बस्ती के समीप जंगली हाथियों के आ जाने से ग्रामीणों में दहशत है। रेंजर फेंकू चौबे ने बताया कि इस दल में नन्हे हाथी भी शामिल हैं। वन कर्मचारियों के द्वारा निगरानी करते हुए ग्रामीणों को सतर्क किया जा रहा है

6 वर्षीय बालक के फेफड़े में फंस गया था इमली का बीज,डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर निकाला बाहर

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के चिकित्सकों ने 6 वर्षीय बालक की जान बचाई है। 9 अप्रैल की दोपहर इमली खाने के दौरान उसका बीज बालक के स्वांस नली में चला गया था। शौर्य रवि पिता जितेन्द्र रवि उम्र 6 वर्ष गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम खलिबा का रहने वाला है। वह 9 अप्रैल की दोपहर इमली खा रहा था। इस दौरान खेल-खेल में इमली का बीच स्वांस नली में चला गया और दाएं फेफड़ा में जाकर फंस गया। इसके बाद बच्चे को सांस लेने में दिक्कत होने लगी। परिजन को जानकारी होने पर घबरा गए। परिजन उसे इलाज के लिए तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने पहले उसका सीटी स्कैन व एक्सरे करवाया। रिपोर्ट में पता चला कि बालक के फेफड़ा में ईमली का बीज फंसा हुआ है। उसे आईसीयू में भर्ती कराया गया और ऑक्सिजन के सहारे रखा गया। इसके बाद बालक को ऑपरेशन के लिए इएनटी विभाग के डॉ. अनूपम मिंज व बीआर सिंह के नेतृत्व में चिकित्सकों का टीम गठित किया गया था। टीम में डॉ. उषा, डॉ. अभिषेक, डॉ. दुर्गा, एनिस्थिसिया से डॉ. वसिम, डॉ. काशी व डॉ. अभिजित शामिल रहे। चिकित्सकों का टीम ने 7 बजे ओटी में लिया और 1 घंटे तक ऑपरेशन किया। ऑपरेशन सफल रहने के बाद चिकित्सकों ने बालक को आईसीयू में भर्ती रखा। दो दिन बाद स्वस्थ्य होने पर चिकित्सकों ने उसे डिस्चार्ज कर दिया है। चिकित्सकों ने बताया कि परिजन बालक को लेकर समय पर अस्पताल पहुंचे थे। अगर थोड़ा और लेट होता तो बच्चे की जान बचाना मुश्किल हो जाता। क्यों के बीच फेफड़े में फंस चुका था और उसे सांस लेने में परेशानी हो रही थी। अस्पताल पहुंचने के साथ ही बालक को ऑक्सिजन दिया गया।

झारखंड के 75 किसानों ने मधुमक्खी पालन की ली जानकारी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र में मधु वाटिका एवं राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड द्वारा प्रदत्त प्रयोगशाला का भ्रमण कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा) जिला गुमला, रांची के 75 किसानों का आगमन हुआ। यह कार्यक्रम कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके सिन्हा के मार्गदर्शन में हुआ। इस भ्रमण कार्यक्रम में समस्त किसानों को मधुमक्खी वाटिका एवं प्रयोगशाला का भ्रमण संस्था के मुख्य अन्वेशक डॉ.पीके भगत द्वारा कराया गया। भ्रमण कार्यक्रम में किसानों को मधुमक्खी की विभिन्न प्रजाति जैसे भारतीय मधुमक्खी, इटालियन मधुमक्खी एवं डंकरहित मधुमक्खी को दिखाया गया, एवं रानी, नर एवं कमेरी मधुमक्खी की जानकारी देते हुए, कॉलोनी विभाजन की प्रक्रिया किसानों को दिखाया गया। समस्त कृषक प्रयोगशाला में स्थित मधु प्रसंस्करण इकाई, छत्ता बनाने की मशीन एवं अन्य जानकारी उपकरण का अवलोकन किया। किसानों में काफी उत्सुकता देखी गई और किसानों ने अपने जिले में भी यह मधुमक्खी पालन करने की सहमति दी। भ्रमण कार्यक्रम दो घंटे तक चलता रहा। अंत में डॉ. सचिन कुमार जायसवाल द्वारा सभी उपस्थित कृषकों को धन्यवाद ज्ञापन देते हुए अपने क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा मधुमक्खी पालन करने की किसानों सलाह दिया।

भारत के आरोह ने किया नासा के साउंडिंग रॉकेट मिशन का नेतृत्व,सूर्य ग्रहण के दौरान लॉन्च किए तीन रॉकेट

वॉशिंगटन,11 अप्रैल 2024। भारत में जन्मे आरोह बड़जात्या ने अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के मिशन में अहम भूमिका निभाई है। हाल ही में पूर्ण सूर्य ग्रहण के दौरान नासा ने साउंडिंग रॉकेट लॉन्च किया था। इस मिशन का नेतृत्व भारत में जन्मे शोधकर्ता आरोह बड़जात्या ने किया। आरोह के परिवार का कहना है कि संयुक्त राज्य अमेरिका जाने से पहले आरोह ने भारत के अलग अलग शहरों में अध्ययन किया था।

नासा ने अपने बयान में बताई यह बात

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने 8 अप्रैल को उत्तरी अमेरिका में दिखाई देने वाले सूर्य ग्रहण के दौरान तीन साउंडिंग रॉकेट लॉन्च किए, ताकि यह अध्ययन किया जा सके कि जब ग्रह के एक हिस्से पर सूरज की रोशनी क्षण भर के लिए कम हो जाती है तो पृथ्वी का ऊपरी वायुमंडल कैसे प्रभावित होता है। नासा ने एक बयान में कहा है कि इस मिशन का प्रोफेसर आरोह बड़जात्या ने किया, जो कि फ्लोरिडा में एम्ब्री-रिडल एयरोनॉटिकल यूनिवर्सिटी में इंजीनियरिंग भौतिकी के प्रोफेसर हैं। इस विश्वविद्यालय में प्रोफेसर आरोह अंतरिक्ष और वायुमंडलीय इंस्ट्रूमेंटेशन लैब का निर्देशन करते हैं।

प्रोफेसर आरोह ने सोशल मीडिया पर लिखा-धन्यवाद

प्रोफेसर आरोह ने लिंक्डइन पर एक पोस्ट में अपने सभी साथी शोधकर्ताओं और एम्ब्री-रिडल एयरोनॉटिकल यूनिवर्सिटी के छात्रों को धन्यवाद कहा है। उन्होंने आगे लिखा है छह महीने में छह जटिल रॉकेट मिशन।

कैमिकल इंजीनियर हैं आरोह के पिता

आरोह बड़जात्या के पिता अशोक कुमार बड़जात्या पेशे से कैमिकल इंजीनियर हैं और उनकी मां राजेश्वरी एक कुशल गृहणी हैं। आरोह ने अपनी स्कूली शिक्षा मुंबई, हैदराबाद, जयपुर, पिलानी, सोलापुर के पास पातालगंगा में की । इसके बाद वालचंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, सोलापुर से उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की। उनकी बहन अपूर्वा बड़जात्या भी मैकेनिकल इंजीनियर हैं। अपूर्वा ने कहा कि आरोह 2001 में अमेरिका चले गए और वहां उन्होंने यूटा स्टेट यूनिवर्सिटी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में मास्टर्स की डिग्री पूरी की। इसके बाद आरोह ने उसी विश्वविद्यालय से अंतरिक्ष यान उपकरणीकरण में पीएचडी पूरी की।

सीमा विवाद का तत्काल हल निकालने के पीएम मोदी के बयान पर आई चीन की प्रतिक्रिया

बीजिंग,11 अप्रैल 2024। मजबूत और स्थिर संबंधों से चीन और भारत के साझा हितों की पूर्ति होगी। चीन की यह प्रतिक्रिया भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत के साथ चीन के संबंध पूरी दुनिया के लिए महत्वपूर्ण हैं। पीएम मोदी ने यह भी कहा था कि दोनों देशों को मिलकर बातचीत के जरिए सीमा विवाद का तत्काल हल निकाला जाना चाहिए। अब चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा है कि चीन ने प्रधानमंत्री की टिप्पणियों पर गौर किया है। माओ ने आगे कहा कि अगर भारत और चीन के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंध होंगे, तो इससे दोनों देशों के साझा हितों की भी पूर्ति होगी।

चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने क्या कहा?

चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने सीमा विवाद पर कहा है कि भारत-चीन के बीच द्विपक्षीय संबंधों को ठीक से प्रबंधित कर उचित रूप से रखा जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देश राजनयिक और सैन्य माध्यमों से संपर्क में हैं। बता दें कि गुरुवार को पीएम मोदी ने एक साक्षात्कार में कहा था कि भारत के लिए चीन के साथ मजबूत द्विपक्षीय संबंध महत्वपूर्ण हैं।

मतभेदों का हल निकाला जाना जरूरी-चीन

माओ निंग ने उम्मीद जताई कि दोनों देश एक साथ मिलकर एक दिशा में काम करेंगे। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने से आपसी विश्वास बढ़ेगा, जिससे संवाद और सहयोग कायम रहेगा। मिंग ने यह भी कहा कि द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती से आगे बढ़ाने के लिए मतभेदों का हल निकाला जाना जरूरी है।

इस वजह से पैदा हुआ था गतिरोध

5 मई 2020 को पूर्वी लद्दाख सीमा पर पैंगोंग त्सो क्षेत्र में हिंसक झड़प के बाद दोनों देशों के बीच गतिरोध पैदा हो गया था। इस गतिरोध को खत्म करने के लिए दोनों पक्षों के बीच अब तक कोर कमांडर स्तर की 21 दौर की वार्ता हो चुकी है। चीनी सेना के अनुसार दोनों पक्ष अब तक गलवान घाटी, पैंगोंग झील, हॉट स्प्रिंग्स और जियानान दबन से पीछे हटने पर सहमत हुए हैं। उधर भारत द्वारा पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) पर देपसांग और डेमचोक इलाकों से सेना को हटाने का दबाव बनाया जा रहा है।

वीजा शर्तों में उल्लंघन के चलते ब्रिटेन की कार्रवाई

मामले में 11 भारतीय नागरिक समेत 12 लोग गिरफ्तार

लंदन,11 अप्रैल 2024। ब्रिटेन के आव्रजन अधिकारियों ने वीजा शर्तों का उल्लंघन करने और केक फैक्ट्री में अवैध रूप से काम करने के संदेह में की गई छापेमारी में 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, गौरतलब है कि आरोपियों में से 11 भारतीय नागरिक हैं।

उल्लंघन के संदेह के चलते कई 12 लोगों पर गिरी गाज

बुधवार को ब्रिटेन के होम ऑफिस के एक बयान के मुताबिक, आव्रजन प्रवर्तन अधिकारी इंग्लैड के वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र में खुफिया सूचना के बाद की गई कार्रवाई में पाया गया कि वहां अवैध रूप से काम हो रहा था। गृह कार्यालय के मुताबिक, वहां अवैध रूप से काम करने के संदेह में सात भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है।

वीजा शर्तों के उल्लंघन मामले पर ब्रिटेन की कार्रवाई

वहीं पास में स्थित एक केक फैक्ट्री से चार भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया, उन्हें अपनी वीजा शर्तों का उल्लंघन करते हुए पाया गया। इसके बाद एक भारतीय महिला को एक निजी घर में आव्रजन अपराधों के लिए गिरफ्तार किया गया है। गृह कार्यालय के मुताबिक, दोपहर बाद भी मामले में आगे की कार्रवाई की गई। गृह कार्यालय की रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों ने कहा कि चार आरोपियों को ब्रिटेन से हटाने या भारत निर्वासन पर विचार होने तक हिरासत में लिया गया था, बाकी बचे आठ को शर्त पर जमानत दी गई।

कारखानों के मालिकों पर की जा सकती है कड़ी कार्रवाई

इस बीच, अगर यह साबित हो जाता है कि उन्होंने अपने कारखानों में अवैध श्रमिकों को नियुक्त किया है तो दोनों व्यवसायों को जुर्माने की कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। अवैध प्रवासन से निपटने के लिए ब्रिटेन के मंत्री माइकल टॉमलिंसन ने कहा कि यह कार्रवाई इस बात का स्पष्ट उदाहरण है कि हम देशभर में आव्रजन प्रवर्तन गतिविधि को कैसे आगे बढ़ा रहे हैं। टॉमलिंसन के मुताबिक, नियमों का उल्लंघन करते हुए पाए जाने पर भारी जुर्माने की उम्मीद की जा सकती है और अगर श्रमिकों को यहां रहने या काम करने का कोई अधिकार नहीं पाया गया।

जूलियन असांजे पर आरोप हटाने का अमेरिका कर रहा विचार, सेना से जुड़े दस्तावेजों को लीक करने से जुड़ा मामला

वाशिंगटन,11 अप्रैल 2024। अमेरिका राष्ट्रपति बाइडन के बुधवार को कहा कि वह जासूसी के आरोप में विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे के खिलाफ मुकदमा चलाने के ऑस्ट्रेलिया के अपील पर विचार कर रहे थे। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलियाई नागरिक जूलियन असांजे को 2010 में इराक और अफगानिस्तान युद्ध से जुड़े वर्गीकृत दस्तावेजों के लीक होने में उनकी भूमिका के लिए अमेरिकी सरकार द्वारा दोषी ठहराया गया है।

ऑस्ट्रेलिया की अपील अमेरिका कर रहा विचार- बाइडन

ऑस्ट्रेलिया की संसद ने फरवरी में एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें असांजे की कानूनी बाधाओं को समाप्त करने का आह्वान किया गया था, जो अमेरिका में प्रत्यर्पण की लड़ाई के दौरान 2019 से ब्रिटेन में है। बाइडन ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि हम जूलियन असांजे के मामले पर विचार कर रहे हैं।

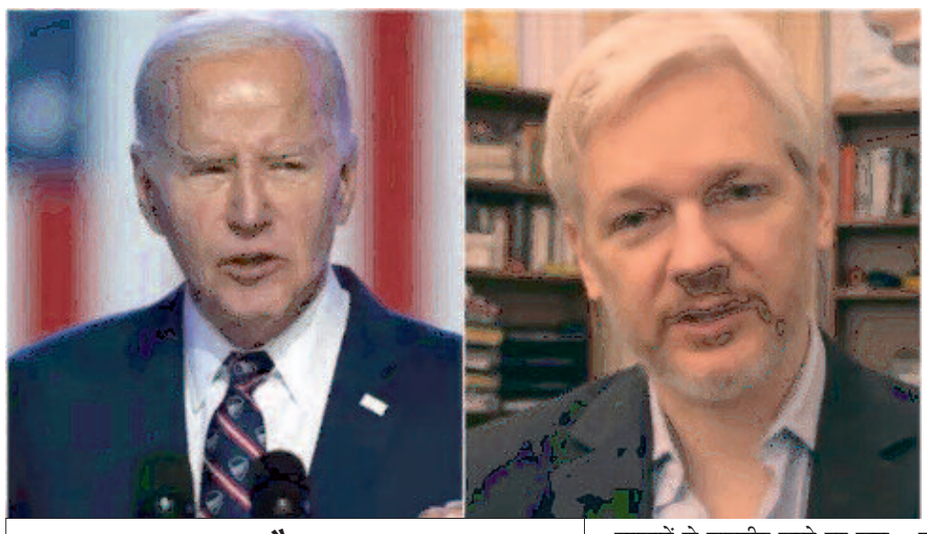

क्या है मामला

52 साल के ऑस्ट्रेलियाई नागरिक असांजे को अमेरिकी सरकार ने 2010 में इराक और अफगानिस्तान में लड़ाईयों से जुड़े वर्गीकृत दस्तावेजों को लीक करने में उनकी भूमिका के लिए दोषी ठहराया है। दोषी पाए जाने पर उसे उम्र कैद की जेल की सजा का सामना करना पड़ सकता है।

वहीं, असांजे और उनके समर्थकों का कहना है कि उन्होंने अमेरिकी सेना के गलत कामों को उजागर किया है और उनके मामले को मीडिया की स्वतंत्रता की लड़ाई के रूप में देखते हैं। वॉशिंगटन का कहना है कि उनके लीक ने दस्तावेजों को प्रकाशित करके लोगों की जान जोखिम में डाल दी है, जिनमें खुफिया स्रोतों के नाम भी शामिल हैं।

उन पर से आरोप हटा दें-असांजे की पत्नी स्टेला

बाइडन की टिप्पणियों के जवाब में असांजे की पत्नी स्टेला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह सही काम है, उन पर से आरोप हटा दें। उन्होंने पहले कहा था कि जेल में असांजे के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में गिरावट आ रही है और अगर उनके पति को अमेरिका भेजा गया तो वे मर जाएंगे।

जिले के आत्मानंद स्कूलों में प्रवेश प्रारम्भ, 5 मई तक किए जा सकेंगे आवेदन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

जिला शिक्षा अधिकारी अशोक सिन्हा ने बताया कि सरगुजा जिले के सभी स्वामी आत्मानंद स्कूलों में प्रवेश के लिए आवेदन 05 मई तक किए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि जिले में संचालित सभी स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी एवं हिंदी माध्यम स्कूलों में प्रवेश हेतु लोक शिक्षण संचालनालय ने दिशा- निर्देश जारी कर दिए हैं। आवेदन ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से किए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि एक छात्र एक स्कूल के लिए ही आवेदन कर सकता है। निर्धारित रिक्त सीटों में से आधी सीट लड़कियों के लिए आरक्षित हैं, आवेदन सीधे स्कूल में जाकर ऑफलाइन माध्यम से या स्वामी आत्मानंद स्कूल के पोर्टल पर ऑनलाइन भी किया जा सकता है। रिक्त सीटों से अधिक आवेदन प्राप्त होने की स्थिति में विद्यार्थियों का चयन लाटरी पद्धति से 05 मई से 10 मई के मध्य जिले द्वारा बनाई गई समिति के द्वारा की जाएगी। प्रत्येक कक्षा में रिक्त सीट में से 50 प्रतिशत पर छात्रों को प्रवेश दिया जाएगा। छात्राओं के पर्याप्त संख्या नहीं होने की स्थिति में ही छात्रों से सीट भरी जाएगी। कोरोना महामारी के कारण अनाथ हुए बच्चों को नियम अनुरूप विशेष प्राथमिकता से प्रवेश दिया जाएगा। बीपीएल एवं आर्थिक रूप से कमजोर पालकों के बच्चों को कुल रिक्त सीट के 25त्न सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा, जिस हेतु पालकों को सक्षम अधिकारी द्वारा जारी आय प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा।

गौरतलब है कि कक्षा पहली के लिए 31 मई 2024 की स्थिति में 5 वर्ष 6 माह से 6 वर्ष 6 माह के मध्य आयु सीमा तय की गई है अर्थात कक्षा पहली के लिए विद्यार्थी की जन्म तिथि 1 दिसंबर 2017 से 30 नवंबर 2018 के मध्य होना चाहिए। ऑफलाइन मोड में आवेदन करने के लिए प्रवेश आवेदन फार्म संस्था में स्वयं उपस्थित होकर प्राप्त किया जा सकते है एवं ऑनलाइन आवेदन करने हेतु https://cgschool.in/Saems/StudentAdmission/StudentAdmission.asp&। वेबसाइट के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है।

लखनपुर क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ईद का त्यौहार...पढ़ी गई नमाज...मांगी अमन चैन की दुआ

- संवाददाता -
लखनपुर,11 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

11 अप्रैल दिन गुरुवार को देश में धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ ईद का त्यौहार मनाया जा रहा है। ईद मुस्लिम समुदाय का प्रमुख त्यौहार है। सरगुजा जिले के लखनपुर क्षेत्र में हर्षोउल्लास व धूमधाम के साथ ईद का त्यौहार मनाया जा रहा है। गुरुवार की सुबह 9 बजे लखनपुर वार्ड क्रमांक 6 स्थित ईदगाह में ईद की नमाज अदा की गई। लखनपुर जामा मस्जिद के पेश इमाम हजरत मौलाना अमरीरुद्दीन कादरी ने ईदगाह में समुदाय के लोगो को ईद की नमाज अदा कराई गई। और देश में अमन चैन के लिए दुआएं मांगी गई। इसके बाद सलाम पढ़ कर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एक दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। गौरतलब है की इस्लाम धर्म को मानने वाले माह ए रमजान में रोजा रखते हैं। पूरे एक महीने रोजा रखने के बाद चांद का दीदार कर ईद त्यौहार की शुरुआत होती है। आपको बता दें कि पहले अरब देशों में ईद के चांद का दीदार होता है। अरब देशों में ईद मनाने के एक दिन बाद ही भारत में ईद मनाई जाती है।ईद को भाईचारे का पर्व माना जाता है। ईद के दिन मुस्लिम समाज के लोग ईद में सामूहिक रूप से नमाज अदा कर देश में अमन चैन के लिए दुआएं मांगी जाती हैं। इसके बाद सभी एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद देते हैं। वहीं ईद के दिन घर में कई तरह के पकवान बनाए जाते हैं, जिसमें मीठी सेवई खासतौर से बनाई जाती है। वहीं ईद के दिन नए कपड़े पहनने की भी परंपरा है। ईद के दिन अपने से छोटे लोगों को ईदी देने का भी रिवाज है।

झीरम का सबूत जेब में रखने वाले भूपेश आज तक साक्ष्य नहीं दिए : विधायक प्रबोध मिंज

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ऊपर कांग्रेस के नेताओं द्वारा चुनाव में अपशब्दों का प्रयोग कर गाली गलौज किए जाने के विरोध में लूंड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने आज अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल, सरगुजा संभाग प्रभारी राजा पांडे, भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, लोकसभा संयोजक अखिलेश सोनी, वरिष्ठ नेता अनिल सिंह मेजर, त्रिलोक कपूर कुशवाहा तथा जिला महामंत्री अभिमन्यु गुप्ता की उपस्थिति में संकल्प भवन भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित किया।

प्रेस को संबोधित करते हुए लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से कांग्रेस की तरफ से ऐसे बयान आ रहे हैं, जो किसी गंभीर साजिश की तरफ इशारा कर रहे हैं। ऐसा लग रहा है जैसे कांग्रेस द्वारा हो रही साजिश के बारे में इनके नेताओं की जुबान पर आ जाती है। उन्होंने कहा कि बस्तर से कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा ने कहा कि कवासी जीतेगा- मोदी मरेगा, यह ना हक दिया गया बयान नहीं है, कवासी वैसे भी झीरम समेत अनेक मामलों में संदिग्ध रहे हैं। झीरम का सबूत भूपेश बघेल भी अपने जेब में होने की बात करते रहे हैं, जबकि आज तक उन्होंने साक्ष्य दिए नहीं।

आगे उन्होंने कहा कि इससे पहले राजनांदगाव में भूपेश बघेल की नामांकन रैली को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष (पूर्वस्पीकर) चरण दास महंत ने कहा लाठी से मोदी का सर फोड़ दे, ऐसा सांसद चाहिए। मोदी को परेशान कर कर के चीन भेज देना चाहिए जैसा बयान देने वाले कांग्रेसी अपना मानसिक संतुलन खो दिए हैं। शिव (डहरिया) केवल गाली दे सकते हैं मोदी को, जबकि भूपेश बघेल सर फोड़ सकते हैं।

तीखी प्रतिक्रिया देते हुए विधायक प्रबोध मिंज ने बताया कि राजनांदगांव लोकसभा अंतर्गत मोहला मानपुर के इसी हफ्ते गिरफ्तार नक्सली सूरजू टेकाम ने कांग्रेस विधायक के मंच पर रहते ही यह आह्वान किया था कि भाजपा के लिए वोट माँगने आने वालों को काट देना चाहिए और बाद में एक भाजपा कार्यकर्ता की हत्या भी हुई वहाँ, यह सभी क्या कांग्रेस प्रायोजित है। उन्होने याद दिलाते हुए कहा कि पंजाब में मोदीजी के प्रवास के दौरान उन्हें घेर कर मार डालने की साजिश रची गयी थी जहां प्रधानमंत्री जी बाल-बाल बचे थे। खालिस्तानियों की रैली में भी मर जा मोदी, मर जा मोदी के नारे लगते रहे हैं। हाल ही में एक अखबार ने यह रिपोर्ट की है कि नक्सली द्वारा बाकायदा कांग्रेस को वोट देने के लिए डराया धमकाया जा रहा है लोगों को। नहीं मानने पर हत्या करने की भी धमकी दी जा रही है। उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस के बयान न केवल पाकिस्तान, खालिस्तानी बल्कि नक्सलियों के जैसे हो रहे हैं और ये सभी कांग्रेसी एक ही भाषा बोल रहे हैं, लोकतांत्रिक तरीकों से बुरी तरह परास्त होने के बाद कांग्रेसी अब बौखलाहट में किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं, इनके मंसूबों को जनता समझ चुकी है, हमें अधिक सावधान होने की आवश्यकता है। इस अवसर पर मधुसूदन शुक्ला, मुरारीलाल बंसल, संतोष दास, रूपेश दुबे, सर्वेश तिवारी और दुर्गा शंकर दास सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

क्या संजय अग्रवाल की प्रशासनिक और राजनीतिक दुश्मनी का खामियाजा भुगत रहे 200 घरों के लोग ?

गजब का न्याय है साहब...टैक्स लेंगे भवन बनाने का अनुमति भी देंगे...पर नहीं देंगे तो बिजली-पानी की सुविधा ?

- विधानसभा,लोकसभा और नगर पालिका चुनाव में 200 घर वालों के परिजनों से वोट लेंगे अपनी सरकार बनाएंगे पर उनकी समस्या नहीं सुनेंगे?
- भूस्वामी ने जमीन बेची और 200 लोगों ने जमीन खरीदकर घर बनाया...नगर पालिका ने घर बनाने की अनुमति दी...पर बिजली की सुविधा नहीं मिल रही
- नगर पालिका टैक्स ले रही पर नहीं दिला रही 200 घर वालों को बिजली की समस्या से निजात
- लोगों ने जमीन खरीदा और घर बनाया और धीरे से बन गई कॉलोनी, भूस्वामी ने तैयार हुई कॉलोनी को नाम दे दिया अग्रवाल सिटी जहां से शुरू हुई समस्या

- रवि सिंह -
कोरिया,11 अप्रैल 2024
(घटती-घटना)।

एक अजीबोगरीब मामला कोरिया जिले के बैकुंठपुर नगर पालिका के अंतर्गत का है यह मामला है महलपारा रोड में स्थित अग्रवाल सिटी का जहां पर भू स्वामि द्वारा छोटे-छोटे टुकड़ों में 200 लोगों को जमीन बेची गई थी, जिनकी रजिस्ट्री नामांतरण सब हो गया है कई लोगों को तो वहां पर घर बनाने के लिए नगर पालिका से अनुमति भी मिल गई है लेकिन वहीं वहां आज घर बनते बनते वह क्षेत्र पूरा कॉलोनी में तब्दील हो गया है, वहां पर रहने वाले विधानसभा में लोकसभा में और नगर पालिका चुनाव में अपना मत देकर अपनी अहम भूमिका भी निभाते हैं और नगर पालिका की सरकार केंद्र की सरकार और राज्य की सरकार भी तय करते हैं यहां तक की नगर पालिका को उसका निर्धारित कर भी दे रहे हैं पर इन सब की एवज में उनकी एक बिजली की समस्या से निजात तक नहीं मिल रहा है, वहां पर खंभा तक नगरपालिका नहीं लगा पा रही है इसकी वजह सिर्फ यह बताई जाती है कि जिससे लोगों ने जमीन खरीदी थी उसकी दुश्मनी प्रशासन से लेकर नेताओं तक से है, जिस वजह से वहां पर रहने वाले लोगों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, वहां पर खंभा लगवाने तक में दिलचस्पी नगर पालिका नहीं दिखाता पर वहां के लोगों से विधायक सांसद व नगर पालिका अध्यक्ष बनने के लिए मत जरूर मांगा जाता है उस जगह पर रहने वालों की गलती यह है कि उन्होंने जमीन जिस व्यक्ति से खरीदी वह व्यक्ति इस समय काफी विवादों में है जिसका खामियाजा भी वहां पर रहने वाले भुगत रहे हैं उसकी वजह भी सिर्फ वह व्यक्ति माना जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार बैकुंठपुर नगर पालिका के अंतर्गत महलपारा रोड से लगा हुआ एक भूखंड था जिसके भूस्वामी ने छोटे-छोटे टुकड़ों को प्लाटिंग कर 200 लोगों को बेच दिया वह 200 लोग उसे जमीन के खुद के मालिक हो गए और वहां पर उन्होंने अपना घर बना लिया घर बनाने के लिए नियम के अनुसार उन्होंने डायवर्सन से लेकर नगर पालिका से घर निर्माण के लिए अनुमति भी ली इसके लिए उन्होंने निगम का कर भी चुकाया अचानक वहां पर कॉलोनी तैयार हो गई और उस कॉलोनी का नाम भू-स्वामी ने अपना सरनेम लगाकर लोगों की समस्या बना दी, वहां पर ना तो पूर्व के भू स्वामी जिन्होंने उस जगह का नाम अग्रवाल सिटी रखा है वह भी वहां पर बिजली की व्यवस्था नहीं कर पा रहे और वही जब वहां के लोग नगर पालिका व जिला प्रशासन से अपने कॉलोनी के लिए बिजली की मांग कर रहे हैं तो भी उन्हें बिजली की सुविधा नहीं मिल रही क्योंकि वहां पर खंभे नहीं लगे हैं काफी दूर से वहां पर बिजली तार लाया जा रहा है जिस वजह से उन्हें परमानेंट नहीं टेंपरेरी बिजली कनेक्शन दिया जा रहा है जिस वजह से वह काफी परेशान है वहां पर बिजली आने-जाने पर भी विभाग के लोग उधर ध्यान नहीं देते।

क्या प्रशासन की बिल्डर से दुश्मनी 200 लोगों पर भारी?

पूरे मामले में बताया जाता है की पूर्व भूस्वामी जिसने उक्त जमीन लोगों को बेची है वह बिल्डर भी है की प्रशासन से तनातनी चल रही है और इस कारण उन 200 लोगों को दिक्कत हो रही है जो उक्त बिल्डर से जमीन क्रय किए हैं। अग्रवाल सिटी में रहने वाले 200 लोगों की अपनी कोई गलती नहीं है गलती है तो पूर्व भूस्वामी की जिससे प्रशासन की तनातनी है और जिसके वजह से 200 लोगों का परिवार परेशान है।

बिल्डर ने घर नहीं जमीन बेचा पर बिल्डर के आपसी रंजिश 200 लोगों पर पड़ रही भारी...

पूर्व भूस्वामी जो एक बिल्डर भी है ने लोगों को जमीन बेचा है अग्रवाल सिटी परिसर में उसने घर बनाकर नहीं बेचा है। घर लोगों ने स्वयं बनाया है जिसके लिए उन्होंने सभी नियम कायदों का पालन भी किया है। अब जब उन्हे अनिवार्य सुविधाओं के लिए कोई जरूरत पड़ती है उन्हे वह सुविधा जिसमे बिजली की सुविधा प्रमुख है इसलिए नहीं मिल रही है क्योंकि वह बिल्डर से जमीन क्रय किए हैं। कुल मिलाकर बिल्डर से रंजिश है कुछ लोगों की जो बिल्डर से रंजिश भजाने के लिए 200 लोगों को परेशान करना भी एक तरह से बिल्डर को परेशान करना मान रहे हैं समझ रहे हैं।

बिल्डर ने जमीन बेचकर अग्रवाल सिटी का दे दिया नाम आज वही बनी लोगों के लिए फजीहत

बिल्डर ने शहर में रहने के इच्छुक लोगों के लिए एक जमीन के टुकड़े की प्लाटिंग की और फिर उसने लोगों को उनकी जरूरत के हिसाब से जमीन के टुकड़ों को बेच दिया। बिल्डर ने बस जमीन के पूरे टुकड़े जिसकी उसने प्लाटिंग की और जिसे उसके द्वारा लोगों बेचा गया उसका नाम बस अग्रवाल सिटी रख दिया जो लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गया जिन्होंने जमीन लिया।

सरगुजा पुलिस की कार्रवाई,11 लोगों के कब्जे से 81 लीटर शराब जब्त

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 अप्रैल 2024
(घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस ने अभियान चलाकर 11 प्रकरण दर्ज कर कुल 81 लीटर अवैध महुआ शराब जब्त कया है। सबसे अधिक मात्रा में गांधीनगर पुलिस ने महिला के कब्जे से 40 लीटर शराब जब्त किया है। पुलिस ने सभी मामले में कार्रवाई की है।

गांधीनगर पुलिस ने घसियापारा निवासी प्रमिला सोनवानी के कब्जे से 40 लीटर, गोरसीडबरा निवासी दुर्गा केरकेट्टा के कब्जे से 4 लीटर, थाना मणिपुर पुलिस ने ग्राम भिट्टीकला करियापारा निवासी बंशी राम राजवाड़े के कब्जे से 3 लीटर व प्रकाश राजवाड़े के कब्जे से 3 लीटर, थाना सीतापुर पुलिस ने ग्राम कोट डोरापारा निवासी मुचरी यादव के कब्जे से 8 व शिवनाथपुर घासीडीह निवासी के कब्जे से 3 लीटर, थाना लुण्ड्रा पुलिस ने ग्राम नागम निवासी सागर राम के कब्जे से 4 लीटर गढबीरा निवसी मीरा के कब्जे से 3 लीटर, थाना उदयपुर पुलिस ने ग्राम मनोहरपुर निवासी भोला राम के कब्जे से 5 लीटर, थाना लखनपुर पुलिस ने ग्राम बेलपारा निवासी रामसुन्दर के कब्जे से 5.5 लीटर, थाना दरिमा पुलिस ने मुनेश्वर बरगाह के कब्जे से 3.5 लीटर शराब जब्त किया है। 11 मामलों में पुलिस ने कुल 81 लीटर अवैध महुआ शराब जब्त किया है।

ट्रांसपोर्ट कंपनी की आड़ में किया जा रहा था अवैध शराब का कारोबार

- 43 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 अप्रैल 2024
(घटती-घटना)।

ट्रांसपोर्ट कम्पनी की आड़ अवैध अंग्रेजी शराब का कारोबार किया जा रहा था। कोतवाली पुलिस ने 10 अप्रैल को खरसिया रोड स्थित शगुन ट्रांसपोर्ट में छापामार कर दो युवकों के कब्जे से कुल 43.200 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त किया है। जब्त शराब की कीमत 36 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार लोकसभा चुनाव के दौरान सरगुजा पुलिस द्वारा अवैध शराब के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 10 अप्रैल को कोतवाली पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली की शहर के खरसिया रोड स्थित शगुन ट्रांसपोर्ट से अवैध अंग्रेजी शराब का कारोबार किया जा रहा है। सूचना पर टीम ने घेराबंदी कर दो संदेहियों को हिरासत में लेकर तलाशी ली। संदेही रजत शुक्ला के कब्जे में रखे सफेद बोरी में दो कार्टून ऑर्पिसर चॉइस लिखा हुआ दूसरे प्रांत का 17.280 लीटर व दूसरा संदेही सौरभ सिंह के कब्जे से 29.920 लीटर कुल 43.200 लीटर शराब जब्त किया गया। जिसकी कीमत 36 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों ने पुलिस को बताया कि शगुन ट्रांसपोर्ट कम्पनी के माध्यम से अवैध अंग्रेजी शराब की तस्करी कर दोनों आरोपियों द्वारा मिलकर स्थानीय स्तर पर अवैध अंग्रेजी शराब की बिक्री करना स्वीकार किया गया। आरोपियों द्वारा घटना कारित किया स्वीकार किये जाने पर आरोपियों के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से थाना कोतवाली में धारा 34(2) आबकारी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों कों गिरफ्तार जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक मनीष सिंह परिहार, उप निरीक्षक अखिलेश सिंह, आरक्षक दीनदयाल सिंह, उपेंद्र सिंह, विवेक राय, शिव राजवाड़े शामिल रहे।

ईद पर मुस्लिम समाज के लोगों ने ईदगाह में ईद की नमाज अदा कर अमन की दुआ मांगी

धूमधाम से मनाई गई ईद, ईदगाह पर ईद की पढ़ी गई नमाज।

- संवाददाता -
कोरिया,11 अप्रैल 2024
(घटती-घटना)।

बुधवार शाम भारत में ईद के चांद का दीदार हुआ और लोगों ने एक दूसरे को गले लगाकर ईद की बधाई दी...वहीं भारत में गुरुवार को ईद-उल-फितर का त्योहार धूमधाम से मनाया गया, ईद का त्योहार सौहार्द और भाईचारे का प्रतीक है ईद के मौके पर मुस्लिम लोग एक दूसरे को मीठा खिलाकर ईद की बधाई देते देखे गए। ईद पर मुस्लिम समाज के लोगों ने ईदगाह में ईद की नमाज अदा कर अमन की दुआ मांगी और फिर एकदूसरे को गले लगाकर बधाई देते नजर आ रहे हैं।

ज्ञात हो की रमजान का महीना पूरा होने के बाद जब शव्वाल महीने की पहली तारीख शुरू होती है तो उस दिन ईद-उल-फितर का त्योहार मनाया जाता है, भारत में यानी गुरुवार 11 अप्रैल को ईद का त्योहार मनाया गया, ईद का त्योहार समाज में एकता, सद्भावना और धार्मिकता के महत्व को बढ़ावा देता है, इसके माध्यम से मानवता के मूल्यों की प्रतिष्ठा की जाती है और सभी के बीच एक अद्वितीय बंधन का उत्सव मनाया जाता है। पुरे जिले में रमजान का महीना गुजरने के बाद ईद के दिन बेहद खुशनुमा माहौल देखने को मिल, ईद पर सबसे पहले ईदगाह जाकर नमाज अदा की गई, जिसके बाद एक दूसरे से मुलाकात का शील शिला शुरु होआ, लोग एक दूसरे के घर जाकर खीर,सेवई या शीर खुरमा खाकर मुंह मीठा कराया और ईद की बधाई दी, ईद के त्योहार पर लगभग सभी लोग नए कपड़ों में नजर आए हैं।

भीषण गर्मी होने के बावजूद भी ईद के त्यौहार के उत्साह में नहीं दिखी कोई

टेंगनी, ग्राम पंचायत टेंगनी में ईद का त्यौहार बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया, ईद के मौके पर इस साल लोगों में अलग ही उत्साह देखने को मिला, भीषण गर्मी होने के बावजूद भी लोगों के उत्साह में कोई कमी नहीं थी, आजिज़ी मस्जिद का इमाम शायरे इस्लाम मौलाना अमीनुल्लाह बलरामपुरी ने बताया पवित्र माहे रमजान में की गई इबादत के इनाम के रूप में लोगों को ईद का मुबारक दिन नसीब होता है, सभी ने मिलकर बड़े ही धूमधाम के साथ ईद का त्यौहार मनाया, ईद के दिन सुबह-सुबह लोग नई-नई पोशाकों में नजर आए, खुशनुमा माहौल में हजारों लोगों ने पूरी अकीदत और एहतेराम के साथ ईद की नमाज़ अदा की गई, इस विशेष नमाज के दौरान अज़ीज़ी मस्जिद के ग्राउंड में देश की खुशहाली और अमन के लिए दुआ मांगी गई,नमाज के बाद लोग एक दूसरे को गले लगा करके मुबारकबाद दी, ईद के मौके पर बच्चों में खासा उत्साह देखा गया, परंपरागत पोशाकों में सजे बच्चों ने भी बड़ो के साथ मिलकर ईद की खुशियां बाटी, ईद की नमाज़ में टेंगनी, गिरज़ापुर, पंडोपारा के लोग भी शामिल थे, मौलवी साजिद खान सदर अजीजी मस्जिद अब्दुल रईस खान सदर महबुबिया अंजुमन कमेटी मोहम्मद पीर खान नायब सदर मोहम्मद शमीम अंसारी सेक्रेटरी मोहम्मद परवेज अफजल नायाब सेक्रेटरी मास्टर असलम खान खजांची शाहरुख खान नायाब खजांची व अन्य हजार लोग तक शामिल थे,इस बार ईदगाह और मस्जिद शहीद हो कर नई अजीजी मस्जिद तामीर का काम जारी है, इसी वजह से मस्जिद के ग्राउंड में ही ईद की नमाज अदा की गई, भीषण गर्मी के चलते नमाज सुबह 8:30 बजे शायरे इस्लाम मौलाना अमीनुल्लाह बलरामपुरी द्वारा अदा करवाई गई, इस बार ईदगाह ग्राउंड में शायर मौलाना अमीनुल्लाह बलरामपुरी ने ऐसा नात सुनाया की लोग सुनकर बहुत खुश हुए और ईनाम से नवाजे गए, फिर नमाज के बाद भारत वासियों के लिए अमन चैन भाईचारा कायम रहने की दुआ मांगी गई।

ईद की नमाज ईदगाह पर क्यों पढ़ी जाती है?

मौलाना अमीनुल्लाह बलरामपुरी ने बताया की कई जगहों पर ईद की नमाज मस्जिदों में भी पढ़ी जाती है लेकिन तरीका तो यही है कि नमाज हमेशा ईदगाह पर ही पढ़ी जानी चाहिए, ईदगाह पर नमाज पढ़ना ही अच्छा माना जाता है, इस्लाम से जुड़े लोगों का मानना है कि पैगंबर हजरत मुहम्मद साहब से पहले ईदगाह पर जाकर नमाज पढ़ने का चलन नहीं था, उनके समय से ही ईदगाह पर नमाज पढ़ने की शुरुआत हुई, इस्लामिक जानकारों का कहना है कि ईदगाह पर नमाज अदा करने से न सिर्फ इस्लामिक कल्चर बना रहता है, साथ ही अलग-अलग इलाकों के लोग एक जगह पर नमाज अदा करते हैं तो इससे भाईचारा और सौहार्द भी बढ़ता है, ईद की नमाज में गरीब हो या अमीर,हर कोई गले लगकर ही एक दूसरे को मुबारकबाद देता है, इसके साथ ही नमाज के बाद पूरे विश्व की शांति के लिए दुआ की जाती है,बद्र की जंग जीतकर जब पैगंबर मुहम्मद मक्का से मदीना पहुंचे थे तो मीठा खाकर लोगों ने जीत का जश्न मनाया था, यही वजह है कि त्योहार को मीठी ईद भी कहा जाता है, ईद के मौके पर खानपान से लेकर कपड़ों तक, काफी ख्याल रखा जाता है, हालांकि, यह कहीं नहीं लिखा है कि ईद पर नए कपड़े पहनने चाहिए, हां लेकिन आपके कपड़े साफ जरूर होने चाहिए, इसके साथ ही इत्र लगाना भी आपकी मर्जी है, अगर आप नहीं लगाते हैं तो कोई जरूरी नहीं है, इत्र लगाना सुन्नत है इसलिए अच्छा माना जाता है।

सांसद ज्योत्सना महंत ने जिले में बढ़ते दुर्घटनाओं को लेकर पुलिस व प्रशासन पर उठाया सवाल

- संवाददाता -
कोरबा,11 अप्रैल 2024
(घटती-घटना)।

कोरबा जिले के बालको क्षेत्र में रूमगड़ा बालको मार्ग पर बुधवार देर रात भारी वाहन की टक्कर से तीन युवकों की असामयिक दर्दनाक मौत पर कोरबा लोकसभा की सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने गहरा दुःख व्यक्त किया है।

सांसद ने जिले में बढ़ते सड़क हादसों के मामलों पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन, पुलिस और परिवहन विभाग के अधिकारियों से कड़े शब्दों में सवाल किया है कि आखिर वे कर क्या रहे हैं ? पिछले 5 दिनों के भीतर विभिन्न सड़कों पर 10 से अधिक मौतें हुई हैं जो यातायात व्यवस्था पर सवाल उठाने वाला है। सांसद ने कहा है कि इसी साल मार्च महीने में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक उन्होंने ली थी और बैठक में कलेक्टर अजीत वसंत, जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, जिला परिवहन अधिकारी ने सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए दुर्घटनाओं का कारण जानकर उसका विश्लेषण करते हुए उचित उपाय करने की बात कही थी, लेकिन

जिस तरह से जिले से गुजरते नेशनल हाईवे से लेकर आम सड़कों पर हादसों की संख्या बढ़ रही है, वह जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और परिवहन विभाग की नाकाम कोशिशों को दर्शाता है। सांसद ने कहा कि भारी वाहनों की रफ्तार पर नियंत्रण के लिए उचित उपाय किया जाना जरूरी है,जिसके लिए प्रशासन गंभीरता दिखाए। हर दिन हादसे में किसी की मौत हो रही है तो कोई अपंग हो रहा है,जिंदगी और मौत से जूझ रहा है, लेकिन प्रशासन सिर्फ हादसों के विश्लेषण में ही लगा हुआ है। आखिर वे किस तरह का उपाय कर रहे हैं जो कारगर साबित नहीं हो रहा और रफ्तार पर लगाम नहीं लग पा रही है।

सांसद श्रीमती महंत ने कहा है कि दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए सार्वजनिक उपक्रम एसईसीएल, बालको, पीडब्ल्यूडी, नेशनल हाईवे, एनएचएआई, एनएचपीडब्ल्यूडी, परिवहन, यातायात विभाग के अधिकारियों को भी अपनी भूमिका निभानी होगी लेकिन वे भी गंभीर नहीं हैं। आवश्यकतानुसार सड़कों पर संकेतक लगाने, मरम्मत योग्य सड़कों का शीघ्रता से मरम्मत करने,धूल उड़ने वाले मार्गों पर नियमित पानी का छिड़काव करने तथा सड़क पर जाम लगने से रोकने के लिए भारी वाहन चलने वाले मार्ग के आसपास पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही आवश्यक ब्रेकर तथा संकेतक लगाने के कार्यों में भी कोई गंभीरता नजर नहीं आ रही है। शहर के भीतर दिन भर जाम में लोग उलझ रहे हैं,यातायात की समस्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है लेकिन अभी तक सिर्फ उपाय ही खोजी जा रही हैं,जो चिंताजनक है।

यातायात दुर्घटनाओं को देखते हुए कोरबा पुलिस ने मार्ग मित्र समिति का किया गठन

- संवाददाता -
कोरबा,11 अप्रैल 2024
(घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर बढ़ते यातायात दुर्घटनाओं को देखते हुए जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी थाना/चौकी द्वारा अभिनव अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत ज़िले के हाईवे पर स्थित ब्लैक स्पॉट पर मार्ग मित्र समिति का गठन कराया गया है। ज्ञात हो कि जिले में पाली-कटघोरा- अंबिकापुर राष्ट्रीय राजमार्ग 130 में 10 दुर्घटना जन्य सड़क खंड चिह्नांकित किए गये है, जिसमें 07 ब्लैक स्पॉट समाहित है। उक्त दुर्घटना जन्य क्षेत्र की कुल लंबाई 27.8 किमी है। जिसमें ज्यादातर लोगों की मृत्यु हुई है।इस जगह को ध्यान में रखते हुए यहाँ आसपास की दुकान और निवास करने वालों को

मार्ग मित्र बनाया गया है और उन्हें कुछ भी दुर्घटना होने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने और एम्बुलेंस को बुलाने के संबंध में बताया गया है। इस प्रकार कुल 13 समितियों का गठन किया गया है, जिसमें कुल 54 लोगों को जोड़ा गया और उन्हें मार्ग मित्र बनाया गया। जगह जगह पर सजग कोरबा का पैम्फलेट भी चिपकाया गया है और लोगों को जागरूक किया गया है । सभी मार्ग मित्र से पुलिस के मोबाइल नंबर साझा किए गए । कोरबा पुलिस के द्वारा यातायात दुर्घटना में कमी लाने के लिए आगे भी इस तरह की कार्यवाही जारी रखी जाएगी।

अम्बिकापुर,11 अप्रैल 2024
(घटती-घटना)। 10 अप्रैल को डॉ. हैनिमैन के जन्म दिवस को विश्व होमियोपैथी दिवस के रूप में अंबिकापुर के सभी होमियोपैथी डॉक्टर ने भव्य रूप में होटल वीरेंद्र प्रभा में मनाया, जिसमे मुख्य अतिथि डॉक्टर धीरेन्द्र तिवारी (छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री सलाहकार (नीति,आयोग,कृषि) एवं महेंद्र टुटेजा जी उपस्थित हुए। जिसमे सरगुजा होम्योपैथी के अध्यक्ष डॉ. सुशील मिश्रा,डॉ. आनंद सोनी,डॉ. दीपक नीलकंठ,डॉ. धीरज पांडेय,डॉ. महेश,डॉ.अनिता,डॉ.नेहा, डॉ. प्रियमवाद पांडे,डॉ. पंकज त्रिपाठी, डॉ. तड़ित चंद्रा,डॉ. यू एन तिवारी इत्यादि उपस्थित रहे। सभी ने अपना केस ट्रीटमेंट का व्याख्यान किया।

कांग्रेस की तरफ से आ रहे हैं बयान किसी गंभीर साजिश की तरफ कर रहा इशारा: धरमलाल कौशिक

- संवाददाता -
कोरबा,11 अप्रैल 2024
(घटती-घटना)।

पिछले कुछ दिनों से कांग्रेस की तरफ से ऐसे बयान आ रहे हैं, जो किसी गंभीर साजिश की तरफ इशारा कर रहे हैं। ऐसा लग रहा है जैसे कांग्रेस द्वारा हो रही साज़िश ही इनके नेताओं की जुबान पर आ जाती है। बस्तर से कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा ने कहा कि कवासी जीतेगा- मोदी मरेगा। यह नाहक दिया गया बयान नहीं है। कवासी वैसे भी झीरम समेत अनेक मामलों में संदिग्ध रहे हैं। झीरम का सबूत भूपेश बघेल भी अपने जेब में होने की बात करते रहे हैं, जबकि आजतक उन्होंने साक्ष्य दिए नहीं। इससे पहले राजनांदगांव में भूपेश बघेल की नामांकन रैली को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष (पूर्व स्पीकर) चरणदास महंत ने कहा - लाठी से मोदी का सिर फोड़ दे, ऐसा सांसद चाहिए। शिव (डहरिया) केवल गाली दे सकते हैं मोदी को, जबकि भूपेश बघेल सर फोड़ सकते हैं। मोदी को परेशान कर कर के चीन भेज देना चाहिए। यह बातें पूर्व

विधानसभा अध्यक्ष धरम लाल कौशिक ने प्रेस वार्ता में प्रेस को संबोधित करते हुए कहा । उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा के राजनांदगांव लोकसभा के ही मोहला मानपुर के नक्सली सूरजू टेकाम (इसी हफ्ते गिरफ्तार हुआ है) ने कांग्रेस विधायक के मंच पर रहते ही यह आह्वान किया था कि भाजपा के लिए वोट मांगने आने वालों को काट देना चाहिए। बाद में एक भाजपा कार्यकर्ता की हत्या भी हुई वहाँ। उन्होंने प्रश्न चिन्ह लगाते हुए कहा के क्या यह सब कांग्रेस प्रायोजित नहीं है? उन्होंने आगे कहा के पंजाब में देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी प्रवास के दौरान उन्हें घेर कर मार डालने की साजिश रची गयी थी जिसमें प्रधानमंत्री बाल-बाल बचे थे और उस वक्त पंजाब कांग्रेस की ही शासन रही। खालिस्तानियों की रैली में भी 'मर जा मोदी, मर जा मोदी' के नारे लगते रहे हैं। उन्होंने आगे कहा के हाल ही में एक अखबार ने यह रिपोर्ट की है कि नक्सली बकाएदा कांग्रेस को वोट देने के लिए डरा धमका रहे हैं लोगों को, नहीं मानने पर हत्या आदि की धमकी दे रहे हैं। आखिर क्या मामला है की, कांग्रेस के बयान न केवल पाकिस्तान, ख़ालिस्तानी बल्कि नक्सलियों के जैसे हो रहे हैं, ये सभी एक ही भाषा बोल रहे हैं। इससे यह प्रतीत होता है के लोकतांत्रिक तरीके से बुरी तरह परास्त हुई कांग्रेस अब बौखलाहट में किसी भी हद तक जा सकती है । उन्होंने कहा के कांग्रेस के तरफ से जिस तरह के अनर्गल बयान बाजी किए जा रहे है उससे तो यह साफ हो गया है के कांग्रेस इस लोकसभा में अभी से हार स्वीकार कर ली है,साथ ही जनता भी इन बयानों को भलीभांति समझ रही है, जिसका जवाब जनता आने वाले चुनाव में भाजपा को प्रदेश में ग्यारह में ग्यारह सीटों पर भाजपा को जीत दिलाकर देगी जवाब ।

12 अप्रैल को निर्वाचन अधिसूचना के प्रकाशन के साथ नामांकन होंगे शुरू, गेट नंबर 01 कलेक्ट्रेट परिसर मेन गेट अभ्यर्थियों के प्रवेश के लिए आरक्षित

» गेट नंबर 02 जिला कोर्ट मार्ग से अधिकारी कर्मचारी और आमजन करेंगे कलेक्ट्रेट परिसर में प्रवेश

» नामांकन प्रस्तुत करने अभ्यर्थी के साथ केवल चार व्यक्तियों को आरओ कक्ष में प्रवेश की अनुमति

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,11 अप्रैल 2024
(घटती-घटना)।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 हेतु जारी समय सारणी के अनुरूप 12 अप्रैल को निर्वाचन अधिसूचना का प्रकाशन होगा। इसके बाद नाम निर्देशन की प्रक्रिया शुरू हो जायेगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विलास भोस्कर एवं पुलिस अधीक्षक श्री विजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले में नाम निर्देशन की प्रक्रिया के बेहतर संपादन के लिए जिला कार्यालय परिसर में अभ्यर्थियों एवं आमजन के प्रवेश हेतु अलग-अलग मार्ग व्यवस्था निर्धारित की गई है।

अभ्यर्थियों हेतु गेट नम्बर-01 से प्रवेश व्यवस्था

कलेक्टरेट परिसर के मेन गेट से एंट्री रखी गई है। गेट नम्बर-01 घड़ी चौक की ओर से जिला कार्यालय के मुख्य द्वार वाली मार्ग से राजनैतिक दलों के अभ्यर्थी एवं उनके प्रस्तावक तथा अन्य सदस्यगण प्रवेश करेंगे।

अधिकारी-कर्मचारी एवं आम जन गेट नम्बर-02 से करेंगे प्रवेश - वहीं जिला कोर्ट मार्ग से गेट नम्बर 02 से अधिकारियों-कर्मचारियों की एंट्री रखी गई है। गेट नम्बर-02 गांधी स्टेडियम व सिविल कोर्ट की ओर आने-जाने वाली मार्ग की ओर से अधिकारी-कर्मचारी एवं आम जन प्रवेश करेंगे। मुख्य मार्ग से प्रवेश गेट तक आने में डबल बैरिकेडिंग लगाई गई है। नाम निर्देशन पत्र जमा करने हेतु कलेक्टर कोर्ट रूम को रिटर्निंग अधिकारी के कक्ष के रूप में निर्धारित किया गया है। नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत करते समय अभ्यर्थी के साथ केवल चार व्यक्ति रिटर्निंग ऑफिसर के कक्ष में प्रवेश कर सकते हैं। निर्वाचन लड़ने वाले सामान्य अभ्यर्थियों के लिए जमा की जाने वाली निक्षेप राशि 25 हजार रूपए तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए 12,500 रूपए निर्धारित है।

गौरतलब है कि निर्वाचन समय सारणी के अनुसार 12 अप्रैल 2024 को अधिसूचना का प्रकाशन किया जायेगा। इसके बाद अभ्यर्थियों द्वारा नाम निर्देशन जमा की प्रक्रिया शुरू हो जायेगी। नाम निर्देशन जमा करने की अंतिम तिथि 19 अप्रैल 2024 होगी। 20 अप्रैल को स्क्रूटनी की जाएगी तथा 22 अप्रैल तक नाम वापसी की जा सकेगी।

नामांकन के दौरान पुलिस और छूट प्रदत्त व्यक्तियों के अलावा अन्य किसी व्यक्ति द्वारा अस्त्र-शस्त्र लेकर आना पूर्णतःप्रतिबंधित

» रैली,जुलूस के रूप में परिसर के भीतर प्रवेश प्रतिबंधित

» उल्लंघन किए जाने की स्थिति में होगी वैधानिक कार्यवाही

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,11 अप्रैल 2024
(घटती-घटना)।

भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 की घोषणा कर दिये जाने के उपरांत निर्वाचन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। इसी दौरान दिनांक 12 अप्रैल 2024 से दिनांक 22 अप्रैल 2024 तक नाम निर्देशन की कार्यवाही सम्पन्न होनी है। जिला कार्यालय परिसर एवं उसके 100 मीटर की परिधि में कोलाहल नियंत्रण क्षेत्र पूर्व में ही घोषित किया जा चुका है। निर्वाचन नामांकन के दौरान जिला कार्यालय एवं उसके 100 मीटर परिधि के भीतर कोई भी व्यक्ति (पुलिस अधिकारी एवं जिन्हें छूट प्रदान की गई हो को छोड़कर) आग्नेय अस्त्र-शस्त्र यथा बंदूक, रिवाल्वर, विस्फोटक पदार्थ लेकर प्रवेश नहीं करेगा।

उक्त जानकारी देते हुए अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी सरगुजा ने बताया कि शासकीय कार्य संपादन को दृष्टिगत रखते हुए रैली, जुलूस के शक्ल में जिला कार्यालय परिसर के भीतर प्रवेश प्रतिबंधित किया गया है। उपरोक्त निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। उल्लंघन किए जाने की स्थिति में वैधानिक कार्यवाही की जावेगी।

प्रतापपुर क्षेत्रिय विधायक शकुन्तला पोर्ते पहुँची प्रतापपुर माँ समलेश्वरी के दरबार में मत्था टेक लिया आशीर्वाद क्षेत्र की खुशहाली की कामना

- संवाददाता -
प्रतापपुर,11 अप्रैल 2024
(घटती-घटना)।

प्रतापपुर विधानसभा की विधायक शकुन्तला पोर्ते आज अपने वाड्रफनगर क्षेत्र भ्रमड़ से पहले माँ समलेस्वरी का आशीर्वाद लेकर क्षेत्र के लोगो को चैत्र नवरात्रि की बधाई दी एवम खुशहाली की कामना की । स्थानीय विधायक ने नगर प्रत्येक मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद लेकर माँ समलेश्वरी मंदिर समिति द्वारा किये जा रहे कार्यो की सराहना की प्रतापपुर की जनता ने मुझे हमेशा प्यार दिया है जो मैं कभी नही भूल पाऊँगी मेरे लिए हर छोटा हो या बड़ा

कार्यकर्ता सभी एक समान है प्रतापपुर में माता का भव्य मंदिर है ये आप लोगो के लिए कितनी गर्व की बात है मैन यहाँ से जो मांगा है मुझे वो मिला है माता तो माता होती है पर नवरात्रि में जो इस तरह के आयोजन आगे भी होते रहे मैं भी इसकी सहभागिता बनुगी राममंदिर बनने के बाद आज हिन्दू में एकजुटता देखने को मिल रही है जिससे हर जगह आज भगवा रंग नजर आ रहा है ये सब हमारे उच्च नेतृत्व कर्ता एवम आप लोगों की ही देन है। आज हर जगह अमन चैन कायम है मोदी जी ने जो किया है वो मैंने सपने में भी नहीं सोचा था ।

आज हर जगह मैं प्रचार में जा रही हूं तो मोदी मोदी ही सिर्फ सुनाई दे रहा है मोदी के काम के लोग इतने फेन हो चुके है कि बिना बुलाये ही लोग हमारे करीब पहुँच कर उनकी तारीफ कर रहे है। उनके कार्यो की सराहना कर रहे है। राम मंदिर बनना हम सब के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है राम मंदिर के बाद ही आज हर गाँव गली में इतना उतसाह देखने को मिल रहा है हर जगह माता विराजमान हो रही है। हर गाँव गली में पत्रगी झालर से पूरा क्षेत्र जगमगा रहा है। मंदिर पुजारी सीताराम दुबे गुलाब तिवारी, प्रदीप गोयल पपल जायसवाल , हरी गुप्ता, प्रफुल गुप्ता विस हिन्दू परिषद बजरंग दल के प्रखंड अध्यक्ष सचिन तायल विक्रम नामदेव विक्रम सिंह, काजू कश्यप सिम्पू काफी संख्या में प्रतापपुर तथा वाड्रफनगर लोग उपस्थित थे।

नाम निर्देशन अवधि के दौरान शांति व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए कार्यपालिक दण्डाधिकारियों की लगाई गई ड्यूटी

अम्बिकापुर,11 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)। भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 की घोषणा कर दिये जाने के उपरांत निर्वाचन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। इस दौरान 12 अप्रैल 2024 से 22 अप्रैल 2024 तक नाम निर्देशन की कार्यवाही सम्पन्न होनी है। उक्त अवधि के दौरान शांति व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए कार्यपालिक दण्डाधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। जिसमें अम्बिकापुर के अनुविभागीय अधिकारी एवं अनुविभागीय दण्डाधिकारी फागेश सिन्हा मो.नं 9770446896 को सम्पूर्ण प्रभार, अम्बिकापुर के तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी श्री उमेश्वर सिंह बाज मो.नं 798750846 तथा नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी दरिमा श्रीमती अंकिता पटेल मो.नं 9340006620 को नाम निर्देशन कक्ष एवं उसके आस-पास के क्षेत्र, नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी अम्बिकापुर श्री कमलेश कुमार मिरी मो.नं 9131498784 को अभ्यर्थी प्रवेश द्वार गेट नं 01, नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी अम्बिकापुर निखिल श्रीवास्तव मो.नं.8770439087 की अधिकारी कर्मचारी प्रवेश द्वार गेट नं 02 में ड्यूटी लगाई गई है।

महिलाओं ने ठाना है शत-प्रतिशत मतदान कराना है,बिहान महिला समूह ने रैली निकालकर दिया मतदान जरूर करने का संदेश

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,11 अप्रैल 2024
(घटती-घटना)।

अंबिकापुर आगामी लोकसभा चुनाव में मतदाताओं को मतदान अवश्य करने के प्रति जागरूक करने में बिहान महिला समूह भी अपनी अहम भूमिका निभा रही हैं। बिहान महिला समूह ने शहर के कम मतदान प्रतिशत वाले क्षेत्र में रैली निकालकर शत-प्रतिशत मतदान का संदेश दिया। गौरतलब है कि स्वीप गतिविधियों के तहत जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को बिहान महिला समूह ने अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए शहर के कम मतदान प्रतिशत वाले क्षेत्र में रैली निकाली। बिहान समूह की महिलाओं ने मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने का उद्देश्य बना लिया है। निर्वाचन गतिविधियों में वे सम्मिलित होकर लोकतंत्र के पर्व और देश के गर्व को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रही हैं। अम्बिकापुर विकासखंड में बिहान समूह की महिलाओं ने मतदाता जागरूकता स्वीप अंतर्गत सामूहिक मतदाता शपथ ली। इसके साथ ही शहर की गलियों में ÷हम सब ने ये ठाना है बोट देहे जाना है÷ का नारा लगाया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विलास भोस्कर के मार्गदर्शन में मतदाता जागरूकता अभियान पूरे जिले में चलाया जा रहा हैं। बिहान महिला समूह की पीआरपी सपना इस अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान दे रही हैं।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कनक गुप्ता स्व0 मदन गुप्ता निवासी वार्ड नं0 38 सदर रोड थाना अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर ने कराया है कि आवेदक के (माता) कमला देवी की दिनांक 11/08/2008 को स्थान निवास स्थान में हुई है।

आवेदक के मृत्यु उपरांत मृत्यु का पंजीयक नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोईआपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 02/04/ 2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

सील

तहसीलदार
अम्बिकापुर

लखनऊ सुपर जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच होगी भिड़ंत

आज इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में फॉर्म में चल रही लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स को बेहतर प्रदर्शन करना होगा...

» दिल्ली कैपिटल्स की निगाहें सुधार पर

» जीत की लय जारी रखना चाहेगी एलएसजी

नई दिल्ली,11 अप्रैल 2024। दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाजी इकाई को आज इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में फॉर्म में चल रही लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना होगा क्योंकि प्रतिद्वंद्वी टीम प्रबल दावेदार के तौर पर मैदान में उतरेगी। एलएसजी अंक तालिका में तीसरे स्थान पर चल रही हैं और सभी विभागों में अच्छा कर रही हैं, हालांकि 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करने वाले उसके तेज गेंदबाज मयंक यादव के पेट की चोट के कारण इस मैच में खेलने की उम्मीद नहीं है। इस 21 साल के खिलाड़ी ने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ सिर्फ एक ओवर डाला था जिसक बाद वह मैदान से चले गये थे। यादव की अनुपस्थिति में एक और युवा तेज गेंदबाज यश ठाकुर ने जिम्मेदारी से खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया और पांच विकेट अपनी झोली में डाले। उनके अलावा नवीन उल हक, कृणाल पंड्या और लेग स्पिनर रवि बिश्नोई भी अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं।

एलएसजी के पास क्विंटन डिकॉक और केएल राहुल के रूप में मजबूत सलामी जोड़ी मौजूद है। दक्षिण अफ्रीका के डिकॉक ने अभी तक दो अर्धशतकीय पारियां खेली हैं लेकिन कप्तान अभी तक अपनी शुरूआत को बड़े स्कोर में तब्दील नहीं कर सके हैं। निकोलस पूरन भी शानदार फॉर्म में हैं जो पारी के अंत में लखनऊ की टीम को बड़ा स्कोर बनाने में मदद कर रहे हैं। हालांकि एलएसजी के लिए सबसे बड़ी चिंता देवदत्त पडीक्कल की फॉर्म बनी हुई है जो अभी तक दहाई के अंक तक भी नहीं पहुंच सके हैं। वहीं मेहमान टीम के लिए ऐसा लगता है कि उसके पास 'प्लान बी' की कमी है जो कोलकाता नाइट राइडर्स के हाथों मिली

106 रन की हार से साफ दिखायी दिया। हाल में एक और जूझ रही टीम मुंबई इंडियंस से मिली हार के बाद दिल्ली कैपिटल्स -1.370 के खराब नेट रन रेट से अंक तालिका में निचले स्थान पर पहुंच गई। दिल्ली कैपिटल्स की सबसे बड़ी चिंता उसकी तेज गेंदबाजी इकाई है जिसमें जरा भी धार नहीं दिखती। अब एलएसजी के खिलाफ मैच में जिम्मेदारी फिर खलील अहमद और उम्रदराज ईशांत शर्मा पर होगी जो लगातार अच्छी गेंदबाजी नहीं कर पाये हैं। मुकेश कुमार के चोट से वापसी की उम्मीद है लेकिन वह भी अपने प्रदर्शन से धमाल नहीं कर पाये हैं। मध्यम गति के गेंदबाज सुमित कुमार और रसिक डार की गेंदबाजी पर डिकॉक, मार्कस स्टोइनिस और पूरन रनों का अंबार लगा सकते हैं।

साथ ही तेज गेंदबाज एनरिच नॉर्किया चोट से वापसी के बाद धारदार गेंदबाजी नहीं कर सके हैं और चार मैच में उन्होंने 13.43 के इकोनोमी से रन लुटाये हैं। कप्तान ऋषभ पंत और ट्रिस्टन स्टब्स को छोड़ दें तो दिल्ली कैपिटल्स इस सत्र में अच्छी फॉर्म के लिये जूझती दिखी। पृथ्वी साव ने कुछ जरूरी रन जुटाये लेकिन उन्हें शीर्ष पर इससे बेहतर करने की जरूरत है। अभिषेक पोरेल को छोड़ दें तो किसी भी अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी ने अच्छा प्रदर्शन नहीं दिखाया है।

टीमें इस प्रकार हैं:

दिल्ली कैपिटल्स:- ऋषभ पंत (कप्तान), डेविड वॉर्नर, पृथ्वी साव, स्वस्तिक चिकारा, यश ढुल, एनरिच नॉर्किया, ईशांत शर्मा, झाय रिचर्डसन, खलील अहमद, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, प्रवीण दुबे, रसिक डार, विकी ओस्तवाल, अक्षर पटेल, जैक फेजर गुर्क, ललित यादव, मिचेल मार्श, सुमित कुमार, अभिषेक पोरेल, कुमार कुशाग्र, रिकी भुई, शाइ होप, ट्रिस्टन स्टब्स।

लखनऊ सुपर जाइंट्स:- केएल राहुल (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, निकोलस पूरन, आयुष बदोनी, काइल मेयर्स, मार्कस स्टोइनिस, दीपक हुडा, देवदत्त पडिक्कल, रवि बिश्नोई, नवीन उल हक, करुणाल पंड्या, युद्धवीर सिंह, प्रेरक मांकड़, यश ठाकुर, अमित मिश्रा, शमर जोसेफ, मयंक यादव, मोहसिन खान, के गौतम, शिवम मावी, अर्शिन कुलकर्णी, एम सिद्धार्थ, एश्टन टर्नर, मैट हेनरी, मोहम्मद अरशद खान।

महिला एकल के दूसरे दौर में पहुँची पीव्ही सिंधू

सेन और श्रीकांत बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप के पहले दौर में हार

निंगबो,11 अप्रैल 2024। अनुभवी भारतीय खिलाड़ी पीवी सिंधू मुश्किल परिस्थितियों से पार पाकर यहां बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के महिला एकल के दूसरे दौर में पहुंचने में सफल रही तो वही पुरुष एकल वर्ग में लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत का सफर हार के साथ खत्म हो गया। दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी एचएस प्रणय ने भी चीन के ल्यु गुआंग झू के खिलाफ तीन गेम में मनोबल बढ़ाने वाली जीत दर्ज की। भारतीय खिलाड़ी ने 90 मिनट चले मुकाबले में दुनिया के 16वें नंबर के खिलाड़ी ल्यू को 17-21 23-21 23-21 से हराया। वह पुरुष एकल के दूसरे दौर में चीनी ताइपे के लिन चुन यी से भिड़ेंगे। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू पेरिस खेलों से पहले लय हासिल करने के लिए आतुर है। सिंधू ने मलेशिया की दुनिया की 33वें नंबर की खिलाड़ी गोह जिन वेई के खिलाफ निर्णायक गेम में पांच अंको की बढ़त को लगभग गंवाने के बाद 18-21, 21-14, 21-19 से जीत दर्ज की। सिंधू इस खिलाड़ी के खिलाफ सुदीरमन कप में खेले गये पिछले मुकाबले को हार गयी थी लेकिन इस जीत के बाद उनका रिकॉर्ड 4-1 हो गया है। सिंधू का अगला मुकाबला चीन की हान यू से है, जिनके खिलाफ भारतीय खिलाड़ी का रिकॉर्ड 5-0 का है। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी सेन पहले दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के शि यू कि से हारकर बाहर हो गए। विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता सेन को 53 मिनट तक चले मुकाबले में 19-21, 15-21 से पराजय झेलनी पड़ी। श्रीकांत के सफर को शुरूआती दौर में इंडोनेशिया के एंथोनी गिनटिंग ने 21-14, 21-13 से हराकर खत्म किया। भारत के प्रियांशु राजावत भी पहले दौर में हार गए। उन्हें आठवीं वरीयता प्राप्त मलेशिया के ली जि जिया ने 21-9, 21-13 से हराया। महिला युगल में रूतुपर्णा और श्वेतपर्णा पंडा भी चीन की सातवीं वरीयता प्राप्त झांग शू शियान और झेंग यू डब्ल्यू से 8-21, 12 -21 से हार गई। एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला को भी लियू यू चेन और ओउ जुआन यी की सातवीं वरीयता प्राप्त चीन की जोड़ी के खिलाफ 21-23, 21-19, 24-26 से हार का सामना

करना पड़ा। त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद भी महिला युगल के पहले मैच में चौथी वरीयता प्राप्त लियू शेंग शू और टैन निंग से 2-21, 11-21 से हार गई, जिससे उनकी पेरिस ओलंपिक क्वालीफिकेशन की उम्मीदों पर पानी फिर गया।

मालविका बंसोड़ और आकर्षी कश्यप भी शुरुआती बाधा को पार करने में विफल रही। इन खिलाड़ियों को क्रमशः कोरिया की सिम यू जिन और थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान ने हराया। सिंधू और जिन का मुकाबला शुरुआत से बराबरी का रहा। दोनों खिलाड़ी दूसरे पर हावी होने की कोशिश कर रही थी। जिन पहले गेम में 11-9 की बढ़त लेने में सफल रही। सिंधू ने इसके बाद कुछ बेहतरीन क्रॉस कोर्ट रिटर्न के साथ बैकहैंड के इस्तेमाल पर जोर देना शुरू किया। उन्होंने इस दौरान कुछ गलतियां भी की जिसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा और जिन ने पहला गेम अपने नाम किया।

सिंधू ने दूसरे गेम में आक्रामक शुरुआत कर 4-1 की बढ़त बनायी लेकिन फिर जिन को वापसी का मौका दिया जिससे स्कोर 5-5 से बराबर हो गया। ब्रेक के समय सिंधू के पास दो इअंक की बढ़त थी। सिंधू ने 13-13 के स्कोर के बाद लगातार छह अंक जुटाए और फोरहैंड के इस्तेमाल गेम अपने नाम किया। निर्णायक गेम में सिंधू 1-5 और फिर 5-7 से पिछड़ रही थी लेकिन उन्होंने शानदार वापसी के दम पर 17-14 की बढ़त बनायी। उन्होंने दो करारे स्मैश लगाये जिसका जिन के पास कोई जवाब नहीं था। सिंधू ने इसके बाद पांच मैच प्वाइंट हासिल किये।

मलेशिया की खिलाड़ी ने लगातार चार अंक के साथ मैच के रोमांच को बढ़ाया लेकिन उनका बैकहैंड से लगा शॉट नेट से टकरा गया और मैच सिंधू के नाम हो गया। इससे पहले सेन ने चीन के प्रतिद्वंद्वी को काफी कठिन चुनौती दी और कोर्ट के चारों ओर दौड़ाया। कि ने हालांकि लंबी रैलियां लगाकर बढत बना ली और लगातार पांच अंक लेकर यह बढत 16-14 की कर ली। सेन ने 19-19 से बराबरी की लेकिन कि ने दो अंक लेकर पहला गेम जीता। दूसरे गेम में भी यही कहानी रही और ब्रेक तक मुकाबला बराबरी का था। सेन ने एक समय 9-8 से बढत बना ली थी लेकिन फिर स्कोर 11-12 हो गया। इसके बाद सेन ने कई गलतियां की और थकान हावी होने से अंक भी गंवाये।

प्रज्ञानानंदा और विदित जीते

गुकेश ने ड्रा के बाद संयुक्त बढ़त कायम रखी

नई दिल्ली,11 अप्रैल 2024। ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा और विदित गुजराती ने यहां कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में महत्वपूर्ण जीत हासिल की जबकि डी गुकेश ने भारतीय पुरुष टीम के लिए छठे दौर में ड्रा से संयुक्त शीर्ष स्थान बरकरार रखा। प्रज्ञानानंदा ने अजरबेजान के निजात अबासोव पर जीत दर्ज की जबकि गुजराती ने फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा को पराजित किया। गुकेश ने अमेरिका के हिकारू नाकामुरा से ड्रा खेला।अभी टूर्नामेंट में आठ दौर बचे हैं। 17 साल के गुकेश और इयान नेपोमनियाच्ची ने पुरुष वर्ग में चार चार अंक से संयुक्त बढ़त बनाये रखी है। फिडे के ध्वज के अंतर्गत खेल रहे रूस के नेपोमनियाच्ची ने अमेरिका के शीर्ष वरीय फैबियानो कारूआना से ड्रा खेला। हालांकि महिला वर्ग में भारत को निराशा मिली क्योंकि आर वैशाली को रूस की कैटेरिना लाग्नो से हार का सामना करना पड़ा। प्रज्ञानानंदा की बड़ी बहन वैशाली को अगर वापसी करनी है तो उन्हें काफी बेहतर खेल दिखाना होगा।

कोनेरु हम्पी को भी हार झेलनी पड़ी, उन्हें चीन की टिंग्जी लेई ने मात दी जबकि बुल्गारिया की नुरग्युल सालिमोवा को रूस की एलेक्सांड्रा गोरयाचिकिना से हार मिली। प्रज्ञानानंदा और कारूआना 3.5 अंक लेकर संयुक्त रूप से तीसरे स्थान परहैं जबकि गुजरात और नाकामुरा तीन तीन अंक से संयुक्त पांचवें स्थान पर बने हुए हैं। अलीरेजा और निजात अबासोव साल के सबसे बड़े टूर्नामेंट के मध्य चरण में 1.5 अंक लेकर जूझ रहे हैं। महिला वर्ग में चीन की झोंग्यी टान ने यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक पर जीत हासिल की। उनके छह मैच में 4.5 अंक हैं और उनसे आधा अंक पीछे गोरयाचिकिना दूसरे स्थान पर हैं। कैटरीना लाग्नो 3.5 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं और लेई से आधा अंक आगे हैं। वैशाली और सालिमो दोनों के 2.5 अंक हैं जबकि हम्पी और मुजिचुक दो दो अंक लेकर तालिका में निचले स्थान पर हैं।

एशियाड पदक विजेता धावक ज्योति याराजी करेंगी स्पेन में ट्रेनिंग

नई दिल्ली,11 अप्रैल 2024। एशियाई खेलों की पदक विजेता ज्योति याराजी के पेरिस ओलंपिक और आगामी सत्र से पहले स्पेन के टेनरिफे में ट्रेनिंग करने के प्रस्ताव को गुरुवार को सरकार से मंजूरी मिल गयी। चौबीस साल की इस धाविका ने हांगझोउ एशियाड में 100 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीता था। खेल मंत्रालय की मिशन ओलंपिक इकाई (एमओसी) के बयान के अनुसार वह 45 दिन के लिए स्पेन रवाना होंगी। सरकार उनके हवाई किराये, बोर्डिंग, वीजा आवेदन शुल्क, खेल मालिश खर्चा, स्थानीय परिवहन खर्चा और भत्ते सहित अन्य खर्चे उठायेगी। एमओसी ने भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी चिराग शेट्टी और

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी का पेरिस ओलंपिक से पहले ट्रेनिंग के लिए 'स्पारिंग' जोड़ी के लिए वित्तीय मदद का प्रस्ताव भी मंजूर कर दिया। ये दोनों जून में मुंबई में स्कॉटलैंड के एलेक्जैंडर डुन और एडम हाल तथा इसके बाद जुलाई में इंडोनेशिया के रेन एगुंग और बेरी एग्रियावान के साथ हैदराबाद में ट्रेनिंग करेंगे। इन दोनों जोड़ियों का हवाई खर्चा और बोर्डिंग का खर्चा सरकार वहन करेगी।

एमओसी ने भारतीय निशानेबाज रेजा ढिल्लों और राजेश्वरी कुमार की विदेश में ट्रेनिंग का प्रस्ताव भी मंजूर कर दिया। रेजा अपने व्यक्तिगत कोच के साथ जबकि राजेश्वरी कोच डेविड कोस्टेलेकी के साथ इटली में ट्रेनिंग करेंगी। एमओसी ने पैरा निशानेबाज राहुल जाखड़ और रूबिना फ्रांसिस का दक्षिण कोरिया के चांगवान में आगामी डब्ल्यूएसपीएस विश्व कप में भागीदारी का प्रस्ताव भी मंजूर कर दिया।

संजू सैमसन पर लगा 12 लाख रुपए का जुर्माना

जयपुर ,11 अप्रैल 2024। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। ये राजस्थान के लिए सीजन में पहली हार के बाद दूसरा झटका है। सैमसन पर यह जुर्माना बुधवार को जयपुर में गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मुकाबले के बाद लगाया गया। संजू को स्लो ओवर रेट का दोषी पाया गया है।

आईपीएल ने मीडिया रिलीज में कहा,आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के अनुसार यह राजस्थान के कप्तान की इस सीजन की पहली गलती है इसलिए उन्हें सबसे न्यूनतम दंड दिया गया है। सैमसन पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।संजू सैमसन ने 38 गेंदों में नाबाद 68 रन बनाए और रियान पराग (78) के साथ 130 रनों की अहम साझेदारी की, जिससे राजस्थान ने 20 ओवरों में 196/3 का शानदार स्कोर बनाया।जवाब में इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात ने 20 ओवर में 7 विकेट पर इसे हासिल कर लिया।हार के बावजूद, आरआर अभी भी अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर है। अब शनिवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ खेलने के लिए टीम मुल्लांपुर जाएगी।

टी 20 वर्ल्ड कप से कट सकता है जायसवाल का पत्ता

जयपुर,11 अप्रैल 2024। राजस्थान टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का सेलेक्शन जल्द होने वाला है। इस सेलेक्शन में आईपीएल 2024 में खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी अहम होगा। इस बीच आईपीएल 2024 के मैच नंबर 24 में राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटंस की टक्कर हुई। फैंस को उम्मीद थी कि खराब फॉर्म से जूझ रहे यशस्वी जायसवाल का बल्ला इस मुकाबले में चलेगा, लेकिन ऐसा हुआ नहीं।गुजरात के खिलाफ यशस्वी जायसवाल 24 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें उमेश यादव ने विकेटकीपर मैथ्यू वेड के हाथों कैच कराया। अब तक ये सीजन यशस्वी के लिए बेहद खराब रहा है। उन्होंने अपने पहले पांच मुकाबलों में केवल 63 रन बनाए हैं, जिसमें 24 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। अगर इस युवा बल्लेबाज को आगामी वर्ल्ड कप में अपनी जगह बनानी है, तो उन्हें बड़ी या असरदार पारी खेलनी होगी। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने पहले ही ऐलान कर दिया था कि रोहित शर्मा टीम इंडिया के कप्तान रहेंगे और ऐसे में एक

ओपनर वो ही रहेंगे। अब सवाल है कि उनका पार्टनर कौन होगा। वैसे तो इस रेस में कई दावेदार हैं, लेकिन सबसे बड़ी टक्कर गिल और जायसवाल के बीच है, जो पिछले एक साल में इस पोजिशन में लगातार खेल रहे हैं। हालांकि, शुभमन गिल का प्रदर्शन भी अब तक कुछ खास नहीं रहा लेकिन उनके आंकड़े जायसवाल के मुकाबले बेहतर हैं।

बाएं हाथ के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के 5 पारियों के स्कोर कुछ ऐसे हैं- 24, 5, 10, 0, 24। यानी 5 पारियों में सिर्फ 63 रन। पिछले सीजन में अनकैप्ड प्लेयर के तौर पर 600 से ज्यादा रन बनाकर इतिहास रचने वाले जायसवाल का ऐसा प्रदर्शन चौंकाता है। खास तौर पर पिछले एक साल में हर फॉर्मेट में यशस्वी की फॉर्म को देखते हुए ये परेशान करने वाला है, क्योंकि टी20 वर्ल्ड कप ज्यादा दूर नहीं है। इस युवा बल्लेबाज का फॉर्म में आना भारतीय टीम के लिए इसलिए भी अहम है, क्योंकि यशस्वी जायसवाल के पासा वो विस्फोटक क्षमता है जो उन्हें रोहित शर्मा के साथ एक बतौर सलामी बल्लेबाजी में चाहिए।

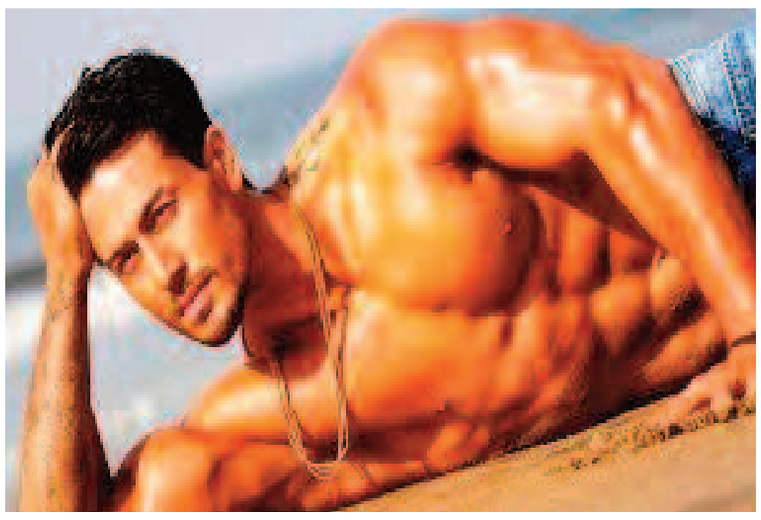

मैं सबको काट लेता था,सब मुझसे डरते थे, टाइगर श्रॉफ ने अपने नाम को लेकर किया चौंकाने वाला खुलासा

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां आज यानी 11 अप्रैल 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म के रिलीज से पहले एक्टरों ने मूवी के प्रमोशन के लिए जी तोड़ मेहनत की थी। अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ अपनी इस फिल्म का प्रमोशन करने के लिए कर्ली टेल्स में पहुंचे थे जहां दोनों एक्टरों ने अपनी प्रोफेशनल लाइफ से लेकर पर्सनल लाइफ तक के बारे में कई तरह के खुलासे किए हैं।

कर्ली टेल्स शो की होस्ट काम्या जानी ने जब फिल्म के हीरो टाइगर श्रॉफ से पूछा कि उनका नाम टाइगर किसने और क्यों रखा तो एक्टर ने बड़ा ही हैरान करने वाला जवाब दिया। टाइगर श्रॉफ ने मुस्कुराते हुए कहा- मैं बचपन में सबको काट लेता था। सब मुझसे डरते थे। टाइगर श्रॉफ की बात सुन वहां मौजूद अक्षय कुमार भी जोर जोर से हंसने लगे और सब लोगों को ये मजाक लगने लगा। लेकिन टाइगर श्रॉफ ने कहा कि ये सब सच है। वह सही में लोगों को काट लेते थे। टाइगर ने कहा- जो लोग मुझे पसंद नहीं आते थे या फिर मेरे साथ मेरे मना करने के बावजूद मजाक करते थे, मैं उन्हें काट लेता था। मुझे उन पर गुस्सा आता था। टाइगर श्रॉफ ने आगे कहा- मेरे इस काटने की आदत को देखते हुए ही मेरे पापा जैकी श्रॉफ ने मेरा नाम जयहेमंत श्रॉफ से बदलकर टाइगर रख दिया था। इसके बाद सभी लोग मुझे टाइगर बुलाने लगे थे। ऐसे में फिल्मों में आने के बाद भी मेरा नाम टाइगर श्रॉफ ही रहा और मुझे भी यही अच्छा लगता है।

sunny deol का हमशक्ल acting देख चौंक जाओगे

हुबहू सनी देओल की तरह दिखता है ये शख्स

बॉडी लेंग्वेज देख गच्चा खा जाएंगे आप भी, यूजर्स ने दी सलाह सरजी चश्मा और लगा लो

स्टार्स हैं तो उनकी नकल उतारने वाले और उनकी मिमिक्री करने वाले भी होंगे ही. कुछ फैन्स अपने फेवरेट स्टार की तरह खुद को स्टाइल करना और बॉडी लेंग्वेज में भी उन्हें कॉपी करना पसंद करते हैं. कुछ इस काम में हिट हो जाते हैं तो कुछ मजाक बन जाते हैं. आमतौर पर अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, अक्षय कुमार जैसे सितारों की मिमिक्री करने वाले बहुत से लोग मिल जाते हैं. जो इन स्टार्स की अलहदा स्टाइल को पकड़ते हैं और फिर अपने अंदाज में पेश करते हैं. लेकिन सनी देओल की स्टाइल को कॉपी करने वाले लोग बहुत कम है. जिसमें सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर संजय माधव भी शामिल हैं.

संजय माधव अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अक्सर ऐसे वीडियो शेयर करते हैं जिसमें वो सनी देओल के डायलॉग पर एक्ट कर रहे होते हैं. सनी देओल की तरह धीरे धीरे आंखों को झपकाना. चेहरे पर थोड़ा सा गुस्से भरा खिंचाव और उंगलियों के मूवमेंट को संजय माधव ठीक सनी देओल की तरह ही कॉपी करते हैं

चेहरे पर बियर्ड लुक रख कर भी उन्होंने सनी देओल की तरह नजर आने की पूरी कोशिश की है और काफी हद तक कामयाब भी हुए हैं. हाल ही में उन्होंने सनी देओल का एक डायलोग भी शेयर किया है. जिस पर वो खुद सनी देओल की तरह एक्टिंग कर रहे हैं. उसे देखकर शायद आप भी उन्हें दाद देने पर मजबूर हो जाएं.

यूजर्स भी संजय माधव के इस टैलेंट के फैन हो गए हैं. एक यूजर ने लिखा कि आप इस काम में लाजवाब हो. एक यूजर ने लिखा कि आप बिलकुल सनी देओल के भाई लग रहे हो. एक यूजर ने तो ये सलाह भी दे डाली की चश्मा लगा कर मिमिक्री करेंगे तो बिलकुल सनी देओल ही लगेंगे. हालांकि कुछ यूजर्स को जरूर उनके इस टैलेंट में मजा नहीं आया. एक यूजर ने नो लिख कर अपनी पसंद जाहिर की है.

प्रदेशभर में एसीबी और ईओडब्ल्यू का छापा

» शराब कारोबारियों के ठिकानों पर दबिश

» बिहार से आबकारी विभाग के अधिकारी एपी त्रिपाठी गिरफ्तार

» गुरुवार को एसीबी और ईओडब्ल्यू की टीम ने छत्तीसगढ़ में बड़ी कार्रवाई की है...

रायपुर,11 अप्रैल 2024 (ए)। . छत्तीसगढ़ में एसीबी और ईओडब्ल्यू की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। अधिकारियों ने कई शराब कारोबारियों के ठिकानों पर दबिश दी है. रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग में कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, कुछ लोक सेवकों के ठिकानों पर भी कार्रवाई की जा रही है।भिलाई में भी एसीबी और ईओडब्ल्यू की टीम ने दबिश दी है। अधिकारियों ने शराब कारोबारियों के यहां दबिश दी है। बताया जा रहा है कि करीब 2 दर्जन अधिकारी छापे की कार्रवाई में शामिल हैं। खुर्सीपार और नेहरू नगर इलाके में यह छापामारी कार्रवाई की जा रही है। माना जा रहा है कि शराब घोटाला मामले की जांच से जुड़ी यह कार्रवाई हो सकती है।

पूर्व विशेष सचिव गिरफ्तार

एसीबी और ईओडब्ल्यू ने एक और बड़ी कार्रवाई की है। आबकारी विभाग के अधिकारी एपी त्रिपाठी को बिहार से गिरफ्तार कर लिया गया है. एपी त्रिपाठी पूर्व विशेष सचिव हैं। 2200 करोड़ के शराब घोटाले मामले में एसीबी और ईओडब्ल्यू की टीम ने गुरुवार को प्रदेश भर के कई ठिकानों में दबिश दी है। 12 से अधिक अधिकारियों की टीम इस

छापेमारी कार्रवाई में लगी हुई है। भिलाई. दुर्ग, बिलासपुर और रायपुर में शराब कारोबारियों के ठिकानों पर छापा जारी है। दो आरोपी अरविंद सिंह और अनवर ढेबर को रिमांड में लेकर पूछताछ की जा रही है।बिलासपुर में एसीबी और ईओडब्ल्यू ने दबिश दी है। इस कार्रवाई के बाद शराब कारोबारियों में हड़कंप है। गुरुवार सुबह एसीबी और ईओडब्ल्यू की टीम ने सयुंक्त रूप से दबिश दी। रायपुर निवासी अतुल सिन्हा एफएल ए 10 शराब लायसेंसधारी के स्मृतिनागर स्थित घर में दबिश दी गई है। इसके अलावा एसीबी और ईओडब्ल्यू की टीम अतुल सिन्हा के सीए संजय मिश्रा के बिलासपुर स्थित घर पर भी पहुंचे. टीम संजय मिश्रा के पूछताछ कर रही है।

खत्म हुई ईओडब्ल्यू की कार्रवाई, 21 जगहों से इतना कैश किया बरामद

छत्तीसगढ़ के आज सुबह से ही जारी ईओडब्ल्यू ककी छापामार कार्रवाई अब समाप्त हो गई है। ईडी की टीम ने आज की गई कार्रवाई के लिए प्रेस नोट जारी करते हुए जानकारी दी है कि धारा 7, 12, भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम, 420, 467, 468, 471, 120बी के तहत आज रायपुर में 9, दुर्ग-भिलाई में 7, राजनांदगांव में 1, बिलासपुर में 4 कुल 21 जगहों पर छापामार कार्रवाई की गई।

इस दौरान ईओडब्ल्यू ककी टीम ने मौके से लगभग 19 लाख रुपये नगद, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे लैपटॉप, पेन ड्राइव, बैंक स्टेटमेन्ट्स,चल-अचल संपत्ति संबंधी दस्तावेज, करोड़ों के आभूषण, बैंकों में करोड़ों के निवेश के अलावा अनेक अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज भी बरामद हुए हैं।

ईओडब्ल्यू की टीम अब इनका परीक्षण करेगी। इन दस्तावेजों में आबकारी से अर्जित अवैध संपत्ति के सामान्य निवेश एवं शेल कम्पनियों के माध्यम से लेयरिंग, अनसिक्योर्ड लोन एवं निवेश संबंधी दस्तावेज शामिल हैं।

संक्षिप्त खबर

सिविल जजों का हुआ प्रमोशन

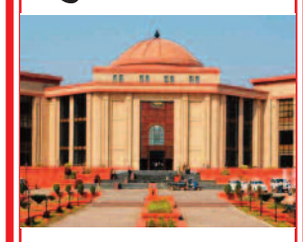

जारी आदेश में सात नाम

बिलासपुर,11 अप्रैल 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट प्रशासन ने वरिष्ठ श्रेणी के सात सिविल जजों को अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश के तौर पर पदोन्नत किया है। इसके अलावा 70 जजों को स्थानांतरित किया गया है। राज्यपाल सचिवालय की विधि अधिकारी नीरू सिंह को रायपुर, कमर्शियल कोर्ट के रजिस्ट्रार संजय रात्रे को बलौदाबाजार, दुर्ग के सीजेएम संतोष ठाकुर को रायगढ़, अंबिकापुर के सीजेएम नरेंद्र कुमार को रायपुर, बलौदाबाजार की सीजेएम श्यामवती मरावी को दुर्ग, सूरजपुर की सीजेएम सुषमा लकड़ा को सूरजपुर में ही, धमतरी के सीजेएम अनिल प्रभात मिंज को बिलासपुर, रायगढ़ के सीजेएम दीपक कुमार कोसले को दुर्ग में स्थानांतरित कर एडीजे बनाया गया है। इसके अलावा प्रदेश के विभिन्न न्यायालयों से 70 सिविल जजों का स्थानांतरण आदेश भी हाईकोर्ट रजिस्ट्रार की ओर से जारी किया गया है।

बाघ ने 7 गांवों में लगवाया धारा 144

धारा 144

बलौदाबाजार,11 अप्रैल 2024 (ए)। सालों बाद अचानक बाघ दिखा, बाघ की सुरक्षा को लेकर वन विभाग सहित प्रशासन अलर्ट मोड में है, जिला कलेक्टर केएल चौहान ने बारनवापारा अभ्यारण के आसङ्कपास के सात गांव में धारा 144 लागू कर दी है। जिनमें रवान,मोहदा, कौआबाहरा, मुरुमडीह, छतालडबरा, गजराडीह व दलदली गांव के नाम शामिल हैं। इन सात गावों में ध्वनि विस्तारक यंत्र पर भी रोक लगाया गया है। जिला स्थित बारनवापारा जंगल में सालों बाद अचानक बाघ दिखा. बाघ की सुरक्षा को लेकर वन विभाग सहित प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया. जिला कलेक्टर केएल चौहान ने मंगलवार को बारनवापारा अभयारण के आसपास के 7 गांवों में धारा 144 लागू कर दी है। इनमें रवान, मोहदा, कौआबाहरा, मुरुमडीह, छतालडबरा, गजराडीह व दलदली शामिल हैं।

508 करोड़ लेने का आरोप,उसे कांग्रेस ने बनाया प्रत्याशी

रायपुर/डोंगरगढ़,11 अप्रैल 2024 (ए)। भूपेश बघेल पर महादेव सट्टा ऐप को निर्बाध रूप से चलवाने के लिए 508 करोड़ रुपए प्रोटेक्शन मनी लेने का आरोप है, एफआईआर भी हुआ है. जिसने पूरे पांच साल के शासनकाल में छत्तीसगढ़िया लोगों को लूटने का काम किया, ऐसे व्यक्ति को कांग्रेस ने अपना प्रत्याशी बनाया है.। जिन्होंने पहले गंगाजल की झूठी कसम खाकर गंगा मैया का अपमान किया और अब महादेव के नाम को भी नहीं छोड़ा. ऐसे प्रत्याशी को मजा चखाना है, उसकी जमानत जब्त करानी है। ऐसे हराना है कि आने वाले समय में भूपेश बघेल राजनांदगांव की तरफ नजर उठा के भी न देख सकें.। ये बातें आज राजनांदगांव के मुढ़ीपार, डोंगरगढ़ में आयोजित विशाल जनसभा में सीएम विष्णु देव साय ने कही। उन्होंने कांग्रेस की विफलताओं को आमजन के सामने रखा और कांग्रेस को सबक सिखाने की बात कही।

साय ने क्षेत्रवासियों की प्रमुख मांगों पर कहा कि अभी आचार संहिता लगा है, इस नाम से घोषणा नहीं कर रहा हूँ. जैसे ही आचार संहिता हटेगी, चुनाव के बाद आपके इन सभी मांगों को प्रमुखता से सांय-सांय पूरा करेंगे। उन्होंने जनता से मांग की कि विधानसभा चुनाव में हम यहाँ पिछड़ गए थे, लेकिन इस बार आपका भरपूर सहयोग चाहिए, ये आशीर्वाद मैं आप सभी से मांगने आया हूं।

संतोष पांडेय के लिए मांगा वोट

सभा में मुख्यमंत्री ने जनता से कहा कि संतोष पांडेय वर्तमान में यहां के सांसद हैं।अपने पहले कार्यकाल में उन्होंने क्षेत्र की मांगों को संसद में प्रमुखता से उठाया इसलिए उनके अच्छे कार्यों को देखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिर से उन्हें प्रत्याशी बनाया है. आप सभी से अपील करता हूँ कि मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए आगामी 26 अप्रैल को भाई संतोष पांडेय को अपने कीमती मत देकर पुनः सांसद बनाएं।

जनसभा में मंत्री टंकराम वर्मा, विधायक मोतीलाल साहू एवं अनुज शर्मा, लोकसभा प्रत्याशी संतोष पांडेय, भूपेंद्र सवन्नी, पूर्व सांसद मधुसूदन यादव, नीलू शर्मा, पूर्व विधायक रामजी भारती, रमेश पटेल, घम्मन साहू, विक्रांत सिंह, शशिकांत द्विवेदी सहित वरिष्ठ पदाधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

पालिका उपाध्यक्ष समेत कई लोगों ने किया भाजपा प्रवेश

आम सभा के दौरान डोंगरगढ़ नगर पालिका के उपाध्यक्ष उमा महेश वर्मा और पार्षद अलका जयेश सहारे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भी भाजपा में प्रवेश किया. डोंगरगढ़ नगर पालिका उपाध्यक्ष उमा महेश वर्मा ने बताया कि मोदी और भाजपा की रीति नीति से प्रभावित होकर उन्होंने भाजपा से जुड़ने का फ़ैसला किया है।

फरार पप्पू बंसल का बंगला सील

दुर्ग,11 अप्रैल 2024(ए)। एसीबी ने पप्पू बंसल के दीनदयाल पुरम न्यू खुर्सीपार दुर्ग स्थित निवास को सील कर दिया है। चस्पा किए गए नोटिस में कहा है कि विशेष न्यायालय रायपुर के द्वारा जारी सर्च वारंट की तामील के लिए टीम पहुंची थी और घर बंद पाए जाने पर उसे सील कर दिया गया है। बगैर अनुमति मकान की सील न खोली जाए। टीम वारंट तामील के लिए अपराध क्रमांक 04/2024, धारा 7, 12, भ्र.नि.अधि. यया संशोधित 2018 एवं, 120बी, 467, 468, 420, 384, 471 भादवि की विवेचना के संदर्भ में गई थी।

रायपुर शहर में भी पांच स्थानों पर एसीबी की जांच चल रही है। इनमें समता कॉलोनी निवासी अनिल और सौरभ अग्रवाल के अलावा सदर बाजार के नाहटा मार्केट, महावीर नगर, देवेन्द्र नगर, और पंडरी इलाके के दलदल सिवनी में भी जांच जारी है। हालांकि यहां के कारोबारियों के नाम नहीं मिल पाए हैं। बताया गया कि एसीबी की जांच में अब हवाला की भी एंट्री हो गई है। शराब की कमाई को हवाला कारोबारियों के जरिए मनी लॉड्रिंग की गई थी। इनमें से कुछ लोगों से पूर्व में ईडी ने भी पूछताछ की थी। अग्रवाल भाइयों के यहां से दोपहर बाद एसीबी अफसर दस्तावेजी सबूत लेकर लौट आए, साथ ही दोनों को रायपुर छोड़ने पर मना कर दिया है।

आईएएस के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर कार्रवाई करने के निर्देश

रायपुर,11 अप्रैल 2024(ए)। एनएचएम में नियम विरूद्ध ट्रांसफर का मामला भारत निर्वाचन आयोग को पहुंच गया है। आयोग ने इस पर संज्ञान लेकर स्वास्थ्य विभाग को कार्रवाई करने कहा है। स्वास्थ्य विभाग ने एनएचएम के मिशन संचालक आईएएस जगदीश सोनकर को नोटिस देते हुए जवाब मांगा है। स्वास्थ्य विभाग की अवर सचिव दिव्या वैष्णव ने नोटिस के विषय में लिखा है...आदर्श आचार संहिता का खुलेआम उल्लंघन का मामला और हत्या का मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्रवाई करने की शिकायत बाबत।

दिव्या वैष्णव ने आईएएस से दो घंटे में नोटिस का जवाब मांगा है।

आचार संहिता प्रभावशील होने के एक दिन पहले एनएचएम में सिंगल-सिंगल आर्डर निकालकर 50 से अधिक कर्मचारियों, अधिकारियों के ट्रांसफर कर दिए गए। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने इसकी शिकायत सीधे निर्वाचन आयोग के पोर्टल में शिकायत कर दी। उसकी कॉपी राष्ट्रपति, कैबिनेट, कैबिनेट सिकरेट्री, मुख्य निर्वाचन आयुक्त भेजी गई है। चुनाव आयोग के निर्देश पर छत्तीसगढ़ के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने शिकायत की प्रति स्वास्थ्य विभाग को भेजा। इसके बाद विभाग ने जगदीश सोनकर को नोटिस थमा कर जवाब मांगा है। इलेक्शन कमीशन की शिकायत में महासमुंद के एनएचएम के एकाउंट मैनेजर राकेश देवांगन की हार्ट अटैक से मौत को प्रताड़नापूर्ण ट्रांसफर का नतीजा बताया गया है।

आयुष्मान योजना के इंसेंटिव वितरण में गड़बड़ी

» विभाग ने दिया जांच का आदेश...

» 60 लाख के इंसेंटिव को मनमाने तरीके से बांटने का मामला...

रायगढ़,11 अप्रैल 2024 (ए)। आयुष्मान योजना के तहत इंसेंटिव वितरण में रायगढ़ जिला अस्पताल में गड़बड़ी सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने मामले की जांच का आदेश दिया है। इस मामले में पांच सदस्यीय टीम गठित की गई है जिसने मामले की जांच शुरु कर दी है। मामले में जिला अस्पताल के कर्मचारियों के बयान भी लिये जा रहे हैं। जांच में ये बात सामने आई है कि जिला अस्पताल को मिले इंसेंटिव में महज 45 फीसदी राशि का वितरण ही किया गया है जबकि कई अपात्रों के नाम भी सूची में सामने आए हैं। हालांकि अधिकारी जांच प्रक्रिया जारी होने की बात कहते हुए कुछ भी कहने से कतरा रहे हैं। इधर जानकारों का कहना है कि अगर मामले की निष्पक्ष जांच की जाती है तो कई गड़बड़ियां उजागर होंगी।

रायगढ़ के किरोडीमल जिला चिकित्सालय में आयुष्मान भारत योजना के तहत अस्पताल को मिलने वाले इंसेंटिव की राशि में गड़बडी सामने आई थी। जिला अस्पताल में तकरीबन 60 लाख रुपए के इंसेंटिव को मनमाने तरीके से बांटने का मामला सामने आया था। आरटीआई के तहत जानकारी सामने आने के बाद विभाग में हड़कंप मचा था। इस मामले में स्वास्थ्य विभाग ने पांच सदस्यीय टीम का गठन कर जांच शुरु कर दी है। टीम स्वास्थ्य कर्मचारियों के कलमबद्ध बयान भी दर्ज रही है।

खास बात ये है कि प्रथम दृष्टया जांच में ये बात सामने आई है कि जिला अस्पताल को साल 2022-23 के लिए 1 करोड़ 30 लाख रुपए का इंसेंटिव मिला था लेकिन विभाग ने सिर्फ 60 लाख रुपए का ही वितरण कर्मचारियो में किया। इतना ही नहीं सूची बनाते समय कई अपात्रों के नाम भी शामिल किए गए थे ताकि स्क्रूटनी के दौरान अपात्रों के नाम कटने पर शेष कर्मचारियों को अधिक राशि का वितरण किया जा सके।जांच में ये बात सामने आई है कि प्रोग्राम एसोसिएट ने आयुष्मान भारत योजना के सलाहकार के साथ मिलकर सूची बनाई थी। इतना ही नहीं सिविल सर्जन से भी ज्यादा पैसे कंप्यूटर आपरेटर को दिए गए। जांच में ये बात सामने आई है कि 3944 प्रकरणों की इंट्री करने पर कंप्यूटर आपरेटर को सिविल सर्जन से भी ज्यादा 60 गजा 733 रुपए दिए गए हैं, जबकि सिविल सर्जन को 4051 केस करने पर भी सिर्फ 31 हजार 212 रुपए का भुगतान किया गया।

कुरियर बॉय निकला नक्सलियों का मददगार

मोहला-मानपुर,11 अप्रैल 2024 (ए)। नक्सलियों के खिलाफ पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। आए दिन जवानों ने लाल आतंक को खत्म करने के लिए विशेष अभियान चला रहे हैं। इसी बीच एक बार फिर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने नक्सलियों के कुरियर बॉय को दबोचा है। कुरियर बॉय नक्सलियों को हर जानकारी देता था। जानकारी के अनुसार, मामला मोहला-मानपुर का है। बताया जा रहा है कि कुरियर बॉय शहरी नेटवर्क के लिए काम करता था और नक्सलियों को हर जानकारी देता था। साथ ही बड़े नक्सलियों के भी संपर्क में था।

कुछ ही दिन पहले कुरियर बॉय ने 2 लाख रुपए रायपुर पहुंचाया था। फिलहाल पुलिस ने कुरियर बॉय को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। कयास लगाया जा रहा है कि कुरियर बॉय पुलिस के सामने कई राज खोल सकते हैं। जिसके आधार पर फिर पुलिस कार्रवाई करेगी।

छत्तीसगढ़ी विलन की हादसे में हुई मौत

बिलाईगढ़,11 अप्रैल 2024(ए)। छत्तीसगढ़ी फिल्मों में विलन का रोल निभाने वाले एक्टर सूरज मेहर की सड़क हादसे में मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि सूरज मेहर उर्फ नारद मेहर अपनी फिल्म आखिरी फैसला की शूटिंग कर लौट रहे थे तभी हादसे का शि कार हो गए।मिली जानकारी के अनुसार उनकी कार की टक्कर स्कॉर्पियो से हो गई थी। जिसके बाद यह बड़ा हादसा हो गया है। जिस वक्त यह हादसा हुआ, उस वक्त वे फिल्म 'आखिरी फैसला' की शूटिंग से पैकअप करके निकले थे। अहम बात यह है कि, ओडिशा में उनकी सगाई होने वाली थी। लेकिन इससे सड़क हादसे में उनकी जान चली गई है।

घायलों को बिलासपुर के लिए किया गया रेफर

जानकारी के मुताबिक, घायल होने के बाद एक्टर सूरज मेहर को हॉस्पिटल ले जाया गया था। लेकिन डॉक्टरों ने कहा कि, इनका बचना मुश्किल है। इस बात को सुनते ही उनके घर वालों और फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर बनी हुई है। वहीं सड़क दुर्घटना में उनके ड्राइवर आर्य वर्मा और भूपेश पटेल भी घायल हुए हैं। हालांकि यह दोनों बिलाईगढ़ से बिलासपुर के लिए रेफर कर दिया गया है।

उच्च शिक्षा विभाग ने कॉलेज के प्रोफेसरों की गर्मी छुट्टी रद्द की

रायपुर,11 अप्रैल 2024(ए)। पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय समेत प्रदेश के शासकीय विश्वविद्यालयों के वार्षिक परीक्षा के पूरे नतीजे जारी करने में इस बार देर नहीं होगी। एकेडमिक कैलेंडर के अनुसार जून तक सभी रिजल्ट जारी होने की संभावना है। दरअसल, उच्च शिक्षा विभाग ने कॉलेजों को एक आदेश जारी किया है, जिसमें यह कहा गया है कि इस बार कॉलेज के प्रोफेसर व असिस्टेंट प्रोफेसरों को गर्मी की छुट्टी नहीं मिलेगी। इस दौरान उन्हें मूल्यांकन का काम करना होगा। ताकि रिजल्ट सही समय पर निकले और प्रवेश प्रक्रिया भी निर्धारित समय पर पूरी हो जाए। जानकारों के मुताबिक यह देखा गया है कि सरकारी कॉलेजों के शिक्षक गर्मियों के दौरान कई दिनों तक अवकाश पर रहते हैं। इसकी वजह से मूल्यांकन का काम प्रभावित होता है। उच्च शिक्षा के एकेडमिक कैलेंडर के अनुसार वार्षिक परीक्षा के रिजल्ट जून तक आने चाहिए, लेकिन मूल्यांकन में देरी की वजह से कई बार रिजल्ट अगस्त तक जारी होते हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)